हरिभूमि रायपुर भूमि

घरों में ढोल का शोर 60 से 70 डेसीबल तक पहुंचा, समितियों ने शांति पूर्वक किया प्रतिमा विसर्जन

प्रशासन की सख्ती से विसर्जन के दौरान लोगों को मिली कानफोड़ू डीजे से मुक्ति

80 प्रतिशत समितियों ने डीजे से बनाई दूरी

शहर में इस बार 20 प्रतिशत लोगों ने ढोल का उपयोग विसर्जन के दौरान किया। मंगलवार को 80 प्रतिशत समितियों ने डीजे से दूरी बनाई। बच्चों और छोटी समितियों ने ढोल और बिना डीजे के शांतिपूर्वक प्रतिमा विर्सजन किया। डीजे की जगह पर समितियों ने सड़कों पर जमकर पटाखे फोड़े, जिसका शोर भी डीजे के जैसा ही रहा। कई लोगों ने केवल भगवान के जयकारों और ढोल के साथ धूमधाम से विसर्जन किया। किसी तरह का फिल्मी गाना भी विसर्जन में सुनाई नहीं दिया। प्रशासन की सख्ती के कारण विसर्जन का शोर आधा हो गया।

डीजे के प्रतिबंध से शोर हुआ आधा

ढोल का डेसीबल 80 तक पहुंचा, केवल पटाखों की रही गूंज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

अनंत चतुर्दशी में पर मंगलवार को महादेव घाट में बड़ी व छोटी प्रतिमाएं विसर्जन का क्रम सुबह से लेकर देर रात तक जारी रहा। इस दौरान विसर्जन में डीजे पर प्रतिबंध का असर शहरभर में दिखाई दिया। समिति बिना डीजे ढोल के साथ प्रतिमा विसर्जन करने पहुंची। पिछले साल भी डीजे को लेकर प्रशासन ने डेसीबल निर्धारित किया था, जिसके बाद भी डीजे का शोर 120 से 140 तक पहुंच गया था। इतनी तेज आवाज से कान में दर्द और डीजे के करीब जाने से सुनाई देना भी बंद हो सकता है। ढोल के उपयोग से ▶▶|शेष पेज 13 पर

बुजुर्गों ने कहा- 20 सालों के बाद शहर में शांति

सदर बाजार में बीते कई सालों से 70 से अधिक साल के बुजुर्ग गणेश विर्सजन के दौरान कान फोडू डीजे के कारण शहर के बाहर चले जाते हैं, लेकिन इस बार बुजुर्ग अपने घरों पर है। बुजुर्गों का कहना है कि 20 सालों के बाद शहर में विसर्जन के दौरान शोर कम हुआ है। दिनभर से कोई डीजे की आवाज सुनाई नहीं दी है। ▶▶|शेष पेज 13 पर

खबर संक्षेप

15 गुंडे-बदमाशों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

रायपुर। गुढ़ियारी पुलिस ने 15 गुंडे-बदमाशों को गिरफ्तार किया है। इनमें अजय यादव निवासी गुढ़ियारी, दीपक यादव अशोक नगर तालाब के पास, रूपेश कुमार साहू निवासी विकास नगर, निखिल बघेल निवासी खालबाड़ा, शिवा ताण्डी निवासी खालबाड़ा, ओमकार यादव निवासी विकास नगर श्मशानघाट के पास, आकाश यादव निवासी कुंदरापारा, अविनाश मशुलकर निवासी अशोक नगर बौद्ध विहार, मयूर बेरवंश उर्फ राजा निवासी गुलाब नगर, मोहित कुमार शर्मा निवासी छोटा अशोक नगर, दूधनाथ गुप्ता निवासी दीक्षा नगर, लवकुश गुप्ता निवासी दीक्षा नगर, राजेश कुमार गुप्ता निवासी दीक्षा नगर, वीरेंद्र श्रीवास निवासी भरत नगर एवं शम्भूदास मानिकपुरी निवासी गोपाल नगर शामिल हैं। सभी के विरुद्ध धारा 170/126,135(3) बीएनएसएस के तहत प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई है।

चोरी के आरोपी समेत दो पकड़े गए

रायपुर। मंदिर हसौद पुलिस ने चोरी करने और चोरी का सामान खरीदने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। प्रार्थी सुरेंद्र कुमार साहू ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि ग्राम तुलसी में गैलेक्सी न्यू टाऊन-1 के फ्लैट नंबर 51 में

ताला लगा था, जिसे तोड़कर अज्ञात चोर आलमारी में रखा चांदी का सिक्का, पीतल के बर्तन और नकदी रुपए चोरी कर ले गया। पुलिस ने इस मामले की जांच करते हुए आमिर खान निवासी प्रेमनगर झंडा चौक मोवा को गिरफ्तार किया। पूछताछ पर आरोपी ने चोरी का सामान अफजल खान निवासी तालाब पार मोवा को बेचना स्वीकार किया। इसके बाद पुलिस ने खरीदार को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी का सामान बरामद किया। पुलिस ने इस मामले में दोनों आरोपियों के विरुद्ध मामला पंजीबद्ध किया है।

पुलिस चेकिंग में चाकू जब्त, बदमाश गिरफ्तार

रायपुर। कबीरनगर पुलिस ने आर्म्स एक्ट के मामले में एक बदमाश को गिरफ्तार किया है। पुलिस द्वारा 17 सितंबर को

सोनडोंगरी अवधपारा बीएसयूपी कॉलोनी के जय भीम नगर में गणेश विसर्जन के संबंध में लोगों को समझाइश देकर चेकिंग की जा रही थी। इस दौरान भुवनेश्वर चक्रधारी के कब्जे से धारदार चाकू बरामद किया। इस मामले में उसके विरुद्ध धारा 25 आर्म्स एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध किया है।

घाट पर उतर कर गणेश विसर्जन करते दिखे लोग

मनाही के बावजूद नदी में विसर्जन, बिना रोक-टोक नदी में उतरे भक्त, इंतजाम ध्वस्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

राजधानी के महादेवघाट स्थित खारुन नदी में अनंत चर्तुदशी के दिन गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन बिना किसी रोक-टोक के लोग करते दिखे। नदी के चारों ओर छोटी गणेश प्रतिमा हाथ में लिये कई श्रद्धालु खुद ही प्रतिमा का विसर्जन करने उत्साहित रहे। वहीं नगर निगम के सुरक्षा इंतजाम और पुल से लेकर शिव मंदिर तक निगम कर्मचारियों की तैनाती कर घेराबंदी करने के दावे की पोल खुल गई। वहीं एनजीटी से जारी निर्देश का मंगलवार को मखौल उड़ाते लोगों ने खारुन नदी के चारों तरफ अपनी सुविधा अनुसार नदी में गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन भी कर दिया। नियमतः जीवनदायिनी खारुन नदी में प्रतिमा विसर्जन की मनाही है।

शहर में दस दिनों तक उत्साह से मनाये गये गणेशोत्सव पर्व का मंगलवार को अनंत चतुर्दशी के दिन समापन हुआ। इस दिन सुबह से लेकर देकर शाम तक शहर के विभिन्न इलाकों से घरों व गणेश पंडालों में स्थापित प्रतिमाओं को विसर्जन के लिए महादेवघाट स्थित विसर्जन कुंड लाया गया। हैरानी की बात ये रही कि खारुन नदी पर प्रतिमा विसर्जन की मनाही के बाद भी सीधे नदी के घाट पर उतरकर गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन करने से लोग नहीं चूके। उन्हें ▶▶|शेष पेज 13 पर

फूल माला, पूजन सामग्री नदी में बहाई, निगम के दावों की खुली पोल

नदी में मूर्ति विसर्जन की होड़...

नगर निगम आयुक्त के निर्देश पर सुरक्षा के लिहाज से एक किलोमीटर पहले बैरिकेडिंग कर भीड़ नियंत्रित करने व्यवस्था बनाने अधिकारियों को निर्देश दिए गए थे, पर विसर्जन के पहले ही दिन यह व्यवस्था तार-तार दिखी। स्पॉट पर नदी में गणेश प्रतिमा विसर्जन से रोकने न तो निगम के अधिकारी नजर आए, न ही जोन स्तर पर इसकी पुख्ता व्यवस्था की गई। नतीतजन बिना किसी बाधा के लोग जीवनदायिनी खारुन नदी में प्रतिमा विसर्जन करने पहुंचते रहे। इस दौरान पूजन सामग्री भी नदी में विसर्जित की जाती रही।

गणेश झांकियों के लिए मार्ग तय दो दिन भारी वाहनों का प्रवेश बंद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

राजधानी रायपुर में 19 सितंबर को गणेश झांकी विसर्जन के लिए पुलिस प्रशासन ने रूट प्लान तैयार किया है। इसके तहत शहरभर की झांकियां राठौर चौक में एकत्रित होंगी और यहीं से नवीन मार्केट, गुरुनानक चौक, शारदा चौक, जयस्तंभ चौक, मालवीय रोड-चिकनी मंदिर, कोतवाली चौक, सदर बाजार, सद्दाणी चौक, सत्तीबाजार-कंकाली तालाब, पुरानी बस्ती, लाखेनगर, सुंदरनगर, रायपुरा चौक होकर महादेवघाट विसर्जन कुंड तक पहुंचेंगी, जहां प्रतिमाओं का विसर्जन किया जाएगा। गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन ▶▶|शेष पेज 13 पर

शहर में भी गाड़ियों की नो एंट्री

झांकी विसर्जन के दौरान मध्यम एवं भारी मालवाहक गाड़ियों का भी शहर में प्रवेश 2 दिन तक प्रतिबंधित रहेगा। इस दौरान टाटीबंध चौक, भनपुरी रिहा, रायपुरा चौक, पचपेड़ीनाका चौक, संतोषी नगर चौक, महासमुंद बैरियर, विधानसभा रोड वीआईपी तिराहा, काशीराम नगर चौक, भाठागांव चौक, रिंगरोड-1 से शहर की ओर समस्त प्रवेश मार्ग, रिंगरोड-2 से शहर की ओर सभी प्रवेश मार्ग पर प्रतिबंध लगाया गया है।

इन मार्गों से करना होगा आवागमन

गणेश विसर्जन कार्यक्रम के लिए कई मार्ग डायवर्ट किए गए हैं। इसके तहत बलौदाबाजार मार्ग से बिलासपुर की ओर या महासमुंद की ओर आवागमन करने के लिए रिंगरोड नंबर-3 होकर आवागमन करना होगा। भिलाई की ओर से आने वाले सभी छोटे वाहन कार, जीप आश्रम तिराहा तक ही आ सकेंगे। शास्त्री चौक की ओर आने वाली गाड़ियों को रिंगरोड-1 से होकर रायपुरा चौक, पचपेड़ीनाका होकर आना-जाना करना होगा। धमतरी मार्ग की ओर से आने वाली गाड़ियों को कालीबाड़ी चौक, महिला थाना चौक, शास्त्री चौक से होकर रेलवे स्टेशन या बिलासपुर मार्ग से आवागमन करना होगा।

कानफोड़ू शोर के खिलाफ खड़े डा. गुप्ता को डीजे संचालकों की धमकी, पुलिस में शिकायत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

रायपुर के जाने माने चिकित्सक एवं सामाजिक कार्यकर्ता डॉ. राकेश गुप्ता को डीजे बजाने वालों ने सोशल मीडिया के माध्यम से धमकी दी है। दरअसल डॉ. गुप्ता ने पिछले करीब तीन साल से कानफोडू डीजे बजाने वालों के खिलाफ अभियान छेड़ रखा है। इस मामले को लेकर अब छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने डीजे पर शिकंजा कसने का आदेश दिया है। माना जा रहा है, इसी नाराजगी की वजह से उन्हें डराने-धमकाने की कोशिश की जा रही है। इस मामले की शिकायत रायपुर के एसएसपी से की गई है।

सोशल मीडिया के माध्यम से धमकी

डॉ. गुप्ता ने इस संबंध में एसएसपी से मिलकर उन्हें अपनी शिकायत सौंपी है। उनका कहना है कि हाईकोर्ट एवं एनजीटी की गाइड़लाइन के अनुसार शासन द्वारा डीजे के शोर को नियमानुसार नियंत्रित करने के आदेश जारी किए गए हैं। सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में मैंने इस आदेश का अपने साथियों के साथ स्वागत किया है। डॉ. गुप्ता ने लिखा है कि आज सुबह मुझे पता चला कि डीजे संचालकों के समूह में मेरा नाम लेकर धमकियां दी जा रही हैं और किसी प्रकार की अनहोनी की बात कही जा रही है। इस बात को एसएसपी संज्ञान में लें और उपद्रवी तत्वों को नियंत्रित करने के लिए कदम उठाएं। इसके साथ ही डॉ. गुप्ता ने अपनी सुरक्षा की व्यस्था का आग्रह भी किया है।

लंबे समय से चला रहे जागरूकता अभियान

सामाजिक कार्यकर्ता एवं चिकित्सक डॉ. राकेश गुप्ता पिछले करीब तीन साल से तेज आवाज में बजाए जाने वाले डीजे के खिलाफ जन-जागरुकता का अभियान चला रहे हैं। उन्होंने इस संबंध में कई बार प्रशासन से मिलकर डीजे पर प्रतिबंध की मांग करते रहे हैं। बताया गया है कि इस मामले में श्री गुप्ता से संबंधित संगठन अदालत भी जा चुके हैं। लेकिन हाल ही में इस संबंध में बिलासपुर हाईकोर्ट ने डीजे बजाए जाने के खिलाफ आदेश जारी किया है। कहा गया है कि वाहनों में रखकर डीजे सिस्टम नहीं बजा सकते है। इस आदेश के बाद राज्य के जिलों में प्रशासन ने कड़ाई शुरु कर दी है। माना जा रहा है कि हाईकोर्ट के आदेश एवं प्रशासन द्वारा उस पर क्रियानव्यन से डीजे संचालक बौखलाए हुए हैं।

एंबुलेंस में जरूरी उपकरण मौजूद, एयरक्राफ्ट की सुविधाओं पर अभी भी उलझी पहेली

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

भारती खेमानी की मौत और परिजनों की शिकायत के बाद से टिकरापारा थाने में खड़ी रेड एंबुलेंस की स्वास्थ्य विभाग की टीम ने मंगलवार को जांच की। एंबुलेंस में तमाम जरूरी उपकरण मौजूद थे, प्रकरण में लापरवाही के आरोपों से घिरे एयरक्राफ्ट में मौजूद सुविधाओं पर जांच अभी अटकी हुई है।

- टिकरापारा थाने में खड़ी रेड एंबुलेंस की स्वास्थ्य विभाग की टीम ने जांच की

खेमानी परिवार ने मौत के मामले में बड़ी लापरवाही रेड एंबुलेंस द्वारा उपलब्ध कराई गई एयर एंबुलेंस में बरते जाने का आरोप लगाया है। उनके मुताबिक भारती खेमानी को हैदराबाद ले जाने जिस एयरक्राफ्ट का उपयोग किया जा रहा था, उसमें मौजूद ऑक्सीजन सेचुरेशन ठीक नहीं था। फ्लाइट टेकऑफ हुई और 15 मिनट में ही वापस लैंड कर गई थी। तब तक भारती खेमानी की हालत बेहद ▶▶|शेष पेज 13 पर

पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार

भारती खेमानी की मौत कैसे हुई, इस मामले का पता लगाने के लिए स्वास्थ्य विभाग की टीम को पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार है। भारती खेमानी का एमएमआई नारायणा हास्पिटल में स्वाइन फ्लू का इलाज दस दिन से चल रहा था। भारी-भरकम बिल और बड़े इलाज के बाद भी उनकी हालत में सुधार नहीं हुआ था और स्थिति इतनी गंभीर हो गई थी कि परिजनों को उन्हें आगे इलाज के लिए हैदराबाद ले जाने की सलाह देनी पड़ गई थी। एमएमआई ने अपने स्पष्टीकरण में बताया था कि महिला को कार्डियक अरेस्ट हुआ है।

कमेटी की दूसरी बैठक जल्द

अस्पताल प्रबंधन और पीड़ित परिवार से वस्तुस्थिति जानने और रेड एंबुलेंस की जांच और पूछताछ करने के बाद समिति जल्दी अपनी दूसरी बैठक करने वाली है, जिसमें आगे की रणनीति और रिपोर्ट पर चर्चा की जाएगी। पीड़ित परिवार द्वारा 6.11 लाख रुपए खर्च करने के बाद भी एयर एंबुलेंस का वास्तविक उपयोग नहीं कर पाए थे। उसमें मौजूद सुविधाओं के बारे में भी अब तक कमेटी को जानकारी नहीं मिल पाई है। इन मुद्दों पर भी बैठक में चर्चा की जाएगी।

गाड़ी चलाने का लाइसेंस उनको भी जिनकी नजर कमजोर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

नियम विरुद्ध तरीके से लर्निंग लाइसेंस बनाने सहित अन्य अनियमितता बरतने के कारण परिवहन विभाग ने 4 परिवहन सुविधा केंद्रों के लाइसेंस निरस्त कर दिए हैं। यह कार्रवाई शिकायतों की जांच के आधार पर की गई है। विभाग द्वारा यह पहली कार्रवाई नहीं है। इससे पूर्व भी जिले में अनियमितता के मामले में 4 परिवहन सुविधा केंद्रों के लाइसेंस निरस्त किए जा चुके हैं। इससे पता चलता है कि परिवहन सुविधा केंद्र की एजेंसी लेने वाले अतिरिक्त कमाई के लिए दूसरे जिलों में रहने वालों से लेकर ऐसे लोगों का भी लाइसेंस जारी कर देते हैं, जिनका नियम के तहत लाइसेंस जारी नहीं किया जाना है। ▶▶|शेष पेज 13 पर

- अनियमितता बरतने एवं नियम विरुद्ध लर्निंग लाइसेंस बनाने के मामले में चार के लाइसेंस रद्द

कमजोर दृष्टि के व्यक्ति का जारी कर दिया लाइसेंस

ग्राम नकटा मंदिर हसौद के आदर्शनगर सुविधा केंद्र में एक ऐसे व्यक्ति का लर्निंग लाइसेंस जारी किया है, जिसकी आंखों की दृष्टि कमजोर है। एजेंसी ने इस व्यक्ति का बिना चिकित्सा प्रमाणपत्र के लर्निंग लाइसेंस जारी कर दिया है, वहीं लाखेनगर सुविधा केंद्र द्वारा लर्निंग लाइसेंस बनाने के लिए शासकीय दर से अधिक राशि मांगी जा रही थी। मांग के अनुसार राशि नहीं देने पर शिकायतकर्ता को लाइसेंस के लिए बार-बार दफ्तर के चक्कर लगवाए जा रहे थे।

छात्रों की ऐसी किल्लत... रिकॉर्ड चौथी बार बढ़ाई गई प्रवेश तिथि, विवि में दाखिले अब 30 तक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में दाखिले की तिथि एक बार फिर से बढ़ा दी गई है। रिक्त सीटों की स्थिति को देखते हुए यह निर्णय किया गया है। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा जारी आदेश के मुताबिक, अब 30 सितंबर तक विश्वविद्यालयों में प्रवेश दिए जा सकेंगे। रिकॉर्ड चौथी बार प्रवेश तिथियों में वृद्धि की गई है। इसके पूर्व सत्रों में 2 से 3 बार ही प्रवेश तिथि में वृद्धि की जाती रही है। सर्वप्रथम उच्च शिक्षा विभाग द्वारा 15 अगस्त तक प्रवेश देने का निर्णय किया गया था। बाद में इसे घटाकर 31 जुलाई कर दिया गया। इसके पश्चात पुनः वृद्धि करते हुए इसे 15 अगस्त किया गया। तत्पश्चात पुनः आदेश जारी कर अगस्त अंत तक का समय दिया गया।

यह अवधि भी समाप्त होने के बाद 15 सितंबर तक दाखिले दिए जाने का निर्णय लिया गया। अब इसमें एक और वृद्धि करते हुए सितंबर अंत तक दाखिले दिए जाने का निर्णय किया गया है। आदेश में कहा गया है कि महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों में सीटें रिक्त रहने की स्थिति में प्रवेश दिए जा सकेंगे। बीते शुक्रवार को माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा बारहवीं कक्षा की द्वितीय परीक्षा के परिणाम जारी किए गए हैं। इसमें उत्तीर्ण छात्रों को प्रवेश का एक मौका अब मिल गया है।

- दिसंबर में होगी प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं, इसके 90 दिन पहले तक चलते रहेंगे दाखिले
- राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत दिसंबर माह में होनी है प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं

दिसंबर में परीक्षाएं, महाविद्यालय हलाकान

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुसार, कॉलेजों में सेमेस्टर पद्धति लागू कर दी गई है। इस स्थिति में दिसंबर माह में प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं आयोजित की जाएंगी। ऐसे में सितंबर अंत में प्रवेश लेने वाले छात्रों के पास केवल 90 दिनों का ही समय अध्ययन के लिए होगा। इस अवधि में उन्हें आंतरिक मूल्यांकन सहित कई चरणों से गुजरना होगा। ऐसे में नतीजों की चिंता भी कॉलेजों को सता रही है।

ऑफलाइन दे सकेंगे अर्जी

ऐसे छात्र जो पूर्व निर्धारित तिथियों में ऑनलाइन पंजीयन नहीं करा सके हैं, उन्हें ऑफलाइन प्रवेश दिए जा सकेंगे। ये छात्र उन महाविद्यालयों में जहां सीटें रिक्त हैं, संपर्क कर ऑफलाइन प्रवेश निर्धारित तिथि में ले सकते हैं। इसके पश्चात महाविद्यालय प्रबंधन द्वारा इन छात्रों की जानकारी को ऑनलाइन अपडेट करना होगा, ताकि विश्वविद्यालय के संज्ञान में यह रहे कि कितने छात्रों द्वारा किन विषयों में प्रवेश प्राप्त किए गए हैं।

बारह दिन बाकी है सीजन की बारिश, पर मानसून की विदाई महीनेभर बाद ही

रायपुर। राज्य में औसत बारिश का कोटा पूरा हो चुका है, अब होने वाली वर्षा अतिरिक्त कोटा होगा। अभी राज्य में मौसम अनिश्चितता भरा हो चुका है। बादल कहीं जमकर बरस रहें हैं, तो कहीं सूखे जैसी स्थिति में हैं। राजस्थान में विदाई के लिए किसी तरह के संकेत नहीं बने हैं, जिसकी वजह से प्रदेश से मानसून की विदाई महीनेभर बाद ही संभव है। मौसम विज्ञान केंद्र के विशेषज्ञों के अनुसार मानसून की विदाई की घोषणा के कुछ नियम है, जिसमें प्रतिचक्रवात का बनना, वातावरण में नमी की कमी, लगातार पांच दिन तक बारिश नहीं और उसकी संभावना नहीं होना जरूरी है। दक्षिण-पश्चिम मानसून की विदाई राजस्थान से शुरू होती है और अभी इसके एक भी संकेत दिखाई नहीं पड़ रहे हैं।

1152 मिमी. वर्षा

राज्य में अब तक 1152 मिमी. बारिश हो चुकी है और औसत वर्षा का कोटा 1142 का है। 30 सितंबर तक राज्य में अगर बारिश होती है तो यह कोटे में बोनस के रूप में शामिल होगी। राज्य में औसत वर्षा की भरपाई हो चुकी है मगर कई सामान्य स्थिति में आने के बाद भी कई जिले औसत वर्षा के मामले में पिछड़ जाएंगे। पांच जिले तो वैसे भी अल्पवर्षा का संकट झेल रहे हैं।

पाठक सूचना

हरिभूमि के सुधि पाठकों को अखबार की प्रतियां नहीं मिल रही हो या अन्य अखबार दिया जा रहा हो तो हमें निम्न नंबर पर संपर्क करें या वाट्सअप करें

9827555678, 8224868411

खबर संक्षेप

कांग्रेस प्रभारी सचिवों को मिली जिम्मेदारी

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस ने प्रभारी सचिवों को विधानसभा और संगठन जिलों का प्रभार सौंप दिया गया है। कांग्रेस प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट के द्वारा जारी की गई जिम्मेदारी के बाद उन्हें उन्हीं विधानसभा और संगठन जिलों पर फोकस करना होगा। प्रभारी सचिव एसए संपत को 31 विधानसभा क्षेत्रों का प्रभार सौंपा गया। वहीं प्रभारी सचिव जरिता लैतफलांग को 28 विधानसभा और विजय जांगिड़ को 31 विधानसभा क्षेत्रों का प्रभार दिया गया है। संपत को बस्तर संभाग, दुर्ग संभाग और राजनांदगांव जिले के विधानसभा क्षेत्र की जिम्ममदारी दी गई है।

बदल गई डॉयल 112 की संचालन एजेंसी, अब जेडएचएल को कमान

रायपुर। जरूरतमंदों की मदद के लिए राज्य में काम करने वाली डॉयल 112 के संचालन एजेंसी बदल गई है। अब एवीपी की जगह मुंबई की जेडएचएल की इसकी कमान दी जाएगी। जिकित्ज़ा हेल्थकेअर लिमिटेड मुंबई की कंपनी है और वर्तमान में डॉयल 104 की जिम्मेदारी संभाल रही है। डॉयल 112 के माध्यम से पुलिस विभाग आम लोगों को विभिन्न तरह की मदद करती है, जिसमें चिकित्सकीय सुविधा भी शामिल है। इस सेक्टर में काम करने के लिए एजेंसी तय करने टेंडर प्रक्रिया पूरी की गई थी, जिसमें जेडएचएल को सफलता मिली है।

जीतू पटवारी आज जेल में देवेंद्र से मिलेंगे

रायपुर। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी बुधवार को रायपुर आएंगे। वे यहां पर कांग्रेस विधायक देवेंद्र यादव से केंद्रीय जेल रायपुर में मुलाकात करेंगे। जीतू पटवारी सुबह 11.25 बजे रायपुर पहुंचेंगे। यहां पहुंचने के बाद वे सीधे जेल परिसर पहुंचेंगे वहां जेल में बंद देवेंद्र यादव से मुलाकात करेंगे। मुलाकात के बाद राजीव भवन में कांग्रेस नेताओं से मुलाकात करने के बाद दोपहर 3.40 बजे नियमित विमान से भोपाल रवाना होंगे।

श्रीजी वृंदावन सोसाइटी में अद्भुत झांकी

रायपुर। ग्यारह दिन के गणेश उत्सव में भजन, सुन्दरकांड , 56 भोग, महाआरती, श्लोक प्रतियोगिता, पेंटिंग प्रतियोगिता, अंताक्षरी, करओके,सभी आयुवर्ग के लिए विभिन्न खेल व प्रतियोगिताओं का आयोजन करा गया। साथ ही संस्कृतिक संध्या का आयोजन करा गया जिसमें पौराणिक कथा गणेश एकदंत क्यूँ कहलाए गए , इस पर 7-8 वर्ष की आयु के बच्चों ने भाव-भीनी प्रस्तुति दी। गणेश वंदना से एकता का संदेश देते हुए 10 वर्ष की आयु से बड़े बच्चों ने मंत्रमुग्ध कर दिया।

ओबीसी सर्वे एक माह में नहीं हुआ पूरा, अब आयोग ने मांगी अंतरिम रिपोर्ट

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ में नगरीय निकायों और त्रिस्तरीय पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव में ओबीसी आरक्षण की अनुशंसा के लिए राज्य में ओबीसी का सर्वे काम एक महीने की तय अवधि में पूरा नहीं हो पाया है।

अब छत्तीसगढ़ पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग ने प्रदेश के सभी कलेक्टरों को पत्र जारी कर अब सर्वे के संबंध में अंतरिम रिपोर्ट देने कहा है, ताकि राज्य शासन को ओबीसी के आरक्षण के संबंध में अनुशंसा भेजी जा सके। आयोग के सचिव हिमाचल साहू ने इस संबंध में राज्य के सभी कलेक्टरों को पत्र जारी किया है। पत्र में कहा गया है कि चूंकि अभी सभी जिलों में सर्वेक्षण का काम चल रहा है लेकिन स्थानीय निकायों की निर्वाचन प्रक्रिया जल्द प्रारंभ होनी है। आयोग को अन्य पिछड़ा वर्ग के प्रतिनिधित्व एवं आरक्षण के संबंध में अनुशंसा देनी है। इस काम के लिए आंकड़ो की तत्काल आवश्यकता है। खास बात ये है कि नगरीय निकायों और पंचायतों के चुनाव में ओबीसी आरक्षण के संबंध में सुप्रीम कोर्ट के आदेश के परिपालन में छत्तीसगढ़ राज्य पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग का गठन किया गया है। आयोग को पिछड़ा वर्ग की सामाजिक,आर्थिक व शैक्षणिक स्थिति का अध्ययन, सर्वेक्षण कर सात बिंदुओं में अनुशंसा करनी है। इस में सातवें नंबर का बिंदु छत्तीसगढ़ राज्य में त्रिस्तरीय पंचायती राज संस्थाओं एवं नगरीय नों के निर्वाचन में पिछड़ा वर्ग के प्रतिनिधित्व एवं आरक्षण के संबंध में है।

अब जारी किया गया नया प्रोफार्मा, 25 तक मांगी जानकारी

अब देनी है ये जानकारी

आयोग ने नगरीय निकायों से संबंधित जानकारी लेने के लिए जो प्रोफार्मा जारी किया है उसमें ये जानकारी मांगी गई है। जिले का नाम, नगरीय निकाय, नगर निगम, पालिक नगर पंचायत का नाम, वार्ड क्रमांक, कुल पिछड़ा वर्ग परिवार संख्या, मुखिया सहित कुल सगस्यों की संख्या कितनी है। इसी तरह त्रिस्तरीय पंचायतों के संबंध में ये जानकारी मांगी गई है। जिला पंचायत का नाम, जनपद पंचायत, ग्राम पंचायत. वार्ड क्रमांक कुल पिछड़ा वर्ग परिवार संख्या, मुखिया सहित कुल सदस्यों की संख्या।

आयोग ने जारी किया नया प्रोफार्मा

आयोग को जिन आंकड़ों की तुरंत जरुरत है उसकी जानकारी कलेक्टरों से लेने के लिए एक प्रोफार्मा जारी किया है। कलेक्टरों से कहा गया है कि सर्वे प्रपत्रों में की गई प्रविष्टि के आधार पर जिले के नगरीय निकायों तथा ग्राम, जनपद, जिला पंचायत की वार्डवार अंतरिम जानकारी 25 सितंबर तक आयोग को भेजें।

प्रधानमंत्री ने 5.11 लाख हितग्राहियों को किया 2044 करोड़ की पहली किस्त का अंतरण

सीएम साय ने कहा- पीएम आवास में कोताही बर्दाश्त नहीं, शिकायत आई तो नपेंगे कलेक्टर

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ में मोर आवास मोर अधिकार कार्यक्रम में शहरी आवास योजना के हितग्राहियों को घर दिए गए। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने दो टूक कहा, यदि पीएम आवास योजना में कोई भी गड़बड़ी हुई, तो सबसे पहले जिले के कलेक्टर नपेंगे। उन्होंने कहा, यदि किसी भी हितग्राही से पैसों की मांग की जाएगी, तो उस जिले के कलेक्टर पर कार्रवाई होगी। उन्होंने कहा, सभी कलेक्टर कान खोलकर सुन लें, पीएम आवास में किसी भी तरह की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। शिकायत आई तो कलेक्टर पर कार्रवाई होगी।

राजधानी के इंडोर स्टेडियम में "मोर आवास, मोर अधिकार" कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वर्चुअली शामिल हुए। प्रधानमंत्री ने राज्य के 5 लाख 11 हजार से अधिक आवासहीन परिवारों को स्वयं का पक्का मकान बनाने के लिए पहली किस्त 2044 करोड़ रुपए की राशि सीधे उनके बैंक खातों में ऑनलाइन अंतरण की। उन्होंने आवास निर्माण के लिए चयनित हितग्राहियों को प्रथम किस्त की राशि अंतरित करते हुए हितग्राहियों को बधाई और शुभकामनाएं दी। प्रधानमंत्री ने कहा, समाज के गरीब और कमजोर तबके के लोगों के जीवन में खुशहाली लाना ही उनकी सरकार का लक्ष्य रहा है। 10 सालों में हमने इस लक्ष्य को हासिल करने में शानदार सफलता अर्जित की है। इस मौके पर 23 हजार से अधिक शहरी परिवारों को उनके निर्मित आवासों की चाबी, आवास का पूर्णता प्रमाण पत्र, द्वार तोरण, पूजा सामग्री प्रदान की गई। इस अवसर पर मंत्री दयालदास बघेल, लखन लाल देवांगन, लक्ष्मी राजवाड़े, सांसद बृजमोहन अग्रवाल, रूपकुमारी चौधरी, विधायक पुरंदर मिश्रा, मोती लाल साहू, अनुज शर्मा, इन्द्रकुमार साहू और गुरू खुशवंत साहेब उपस्थित थे।

देश का 30 फीसदी आवास हमें मिले : साय

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा, आज हमने पीएम आवास योजना के लाभार्थियों का पैर धोकर स्वागत किया है। बार-बार दिल्ली जाकर प्रयास करके आवास स्वकृत कराया है। पूरे देश में 32 लाख आवास स्वीकृत हुए हैं, उनमें से लगभग 30 फीसदी आवास हमें मिले हैं, ये राज्य के लिए बड़ी उपलब्धि है। मुख्यमंत्री बनने के बाद हमने सबसे पहला काम 18 लाख पीएम आवास योजना योजना की स्वीकृति दी थी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य के 5 लाख 11 हज़ार हितग्राहियों के खाते में पहली किस्त का अंतरण किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा, आवासहीनों के मकान का सपना पूरा होगा। योजना के क्रियान्वयन को लेकर हमारी सरकार पूरी प्रतिबद्धता से काम कर रही है। 8 लाख लोगों का आज पैसा स्वीकृत हुआ है।

कांग्रेस ने छीना था गरीबों का आवास : रमन

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने इस दौरान कहा, आज पीएम मोदी का जन्मदिन है। मैं उनके उत्तम स्वास्थ्य की कामना करता हूं। उन्होंने सीएम साय ने चुनाव के समय में वादा किया था, जिसे पूरा किया जा रहा है। पीएम आवास को स्वीकृत किया गया है। उन्होंने कहा, मोदी ने देश में स्वच्छता की बात कही थी। आज गांव-गांव में शौचालय बन गया है। आज गांव-गांव में घर बन गए। 10 साल में 4 करोड़ प्रधानमंत्री आवास बनाए गए हैं। कांग्रेस सरकार में गरीब के आवास को छीना गया, इसलिए जनता ने जवाब दिया है। उन्होंने कहा, हितग्राहियों को किसी को भी एक भी रुपए देने की जरूरत नहीं है। कोई भी दलाल किसी से भी जुड़ा हो, हितग्राहियों से आग्रह है कि एक भी रुपए कोई मांगता है, तो सीधा कलेक्टर से शिकायत करें। वो सीधा जेल जाएगा। विभाग का एक पोर्टल बनाया गया है। जब तक आवास पूरा हो जाए ये सीधा मॉनिटरिंग करेगा।

नए नाम आज से जोड़े जाएंगे- विजय

डिप्टी सीएम और गृहमंत्री विजय शर्मा ने कहा, पीएम मोदी के जन्मदिन पर 5 लाख लोगों को आज प्रधानमंत्री आवास दिया जा रहा है। 18 लाख आवास की बात हुई है। एक-एक आवास को गिन-गिन कर बनाएंगे। भाजपा सरकार बनने के बाद हर महीना 25 हजार आवास पूरा हो रहा है। जिसका आवास नहीं आया है, उनका भी नाम जोड़ने का काम आज से शुरू हो चुका है। उन्होंने कहा, किसी को कोई पैसा देने की जरूरत नहीं है। कोई भी पैसा लेता है, तो उसकी शिकायत अपने अधिकारी और अपने नेता से करें। उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

गृह पोर्टल का शुभारंभ

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री आवास योजना पर आधारित तकनीकी मार्गदर्शिका का विमोचन और गृह पोर्टल का भी शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कहा कि यह पोर्टल आवास योजना को और अधिक प्रभावी बनाने में सहायक होगा और हितग्राही बिना किसी कठिनाई के अपने घर का निर्माण कार्य कर सकेंगे। इस मौके पर मुख्यमंत्री और विधानसभा अध्यक्ष सहित मंत्रिमंडल के सदस्यों ने पीएम आवास योजना के हितग्राहियों के साथ भोजन भी किया।

मुख्यमंत्री साय से केंद्रीय मंत्री कुमार स्वामी ने की मुलाकात

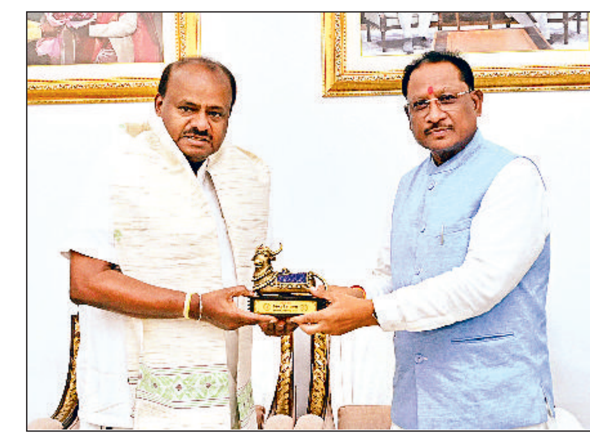

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

- सेल और एनएमडीसी का प्रोडक्शन बढ़ाने पर विचार-विमर्श
- सीएसआर मद के कार्यों को और अधिक गति देने की आवश्यकता

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से मंगलवार को उनके निवास में केंद्रीय इस्पात एवं भारी उद्योग मंत्री एचडी कुमार स्वामी ने सौजन्य मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री का अपने निवास में आत्मीय स्वागत किया।

मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री के साथ अनौपचारिक चर्चा के दौरान सेल और एनएमडीसी का प्रोडक्शन बढ़ाने, दोनों उपक्रमों और राज्य सरकार के मध्य और बेहतर समन्वय से संबंधित विभिन्न विषयों पर विचार विमर्श किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा, दोनों उपक्रमों सेल और एनएमडीसी को सीएसआर मद के कार्यों को और अधिक गति देने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, नगरनार अंचल में स्थानीय युवाओं के कौशल उन्नयन के अधिक से कार्य किए जाएं, ताकि युवाओं को रोजगार के अच्छे अवसर मिल सकें।

बीएसपी और नगरनार का किया निरीक्षण

गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ के दो दिवसीय दौरे पर आये केन्द्रीय मंत्री कुमारस्वामी बस्तर के नगरनार स्टील प्लांट और भिलाई स्टील प्लांट का निरीक्षण करने के बाद मंगलवार को राजधानी रायपुर पहुंचे। सेल के चेयरमेन अमरेन्द्रु प्रकाश, एनएमडीसी के सीएमडी अमिताव मुखर्जी, भिलाई इस्पात संयंत्र के निदेशक अनिर्बान दासगुप्ता मुख्यमंत्री के सचिव पी.दयानंद, डॉ. बसवराजू एस. और राहुल भगत भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने प्रदर्शनी का किया उद्घाटन

प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन पर भाजपा कार्यालय में फोटो प्रदर्शनी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस पर भाजपा द्वारा पूरे देश में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। छत्तीसगढ़ भाजपा द्वारा भी अपने शीर्ष नेता के जन्मदिन पर विभिन्न कार्यक्रमों का अयोजन किया गया। इसी कड़ी में प्रदेश भाजपा कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जीवन से जुड़ी तस्वीरों और उनके राजनीतिक जीवन की तस्वीरों से सुसज्जित फोटो प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इसका उद्घाटन कर प्रधानमंत्री के जीवन से जुड़ी तस्वीरों वाली प्रदर्शनी का अवलोकन किया। प्रदर्शनी के साथ ही नरेंद्र मोदी के चित्र वाली विशाल रंगोली भी बनाई गई थी।

मुख्यमंत्री ने कहा, प्रधानमंत्री का पूरा जीवन, देश को समर्पित रहा है उनके कार्य आज भारत के हर व्यक्ति को प्रेरणा देते है। उनकी सालो साल की सेवा से प्रेरित होकर ही उनके जन्मदिन पर सेवा पखवाड़ा मनाया जाता है। इस दौरान अलग अलग सेवा कार्य

किए जाते है। फोटो प्रदर्शनी कार्यक्रम के संयोजक अवधेश चंदेल ने प्रदर्शनी की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का जीवन अपने आप में प्रेरणा से ओतप्रोत है। उनके जीवन काल में बाल्यकाल से लेकर आज तक उनके निजी जीवन और राजनैतिक जीवन से संबंधित विभिन्न आयामों को हमारे द्वारा इस प्रदर्शनी के माध्यम से दिखाया गया है।

भाजपा के कई कार्यक्रम

सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में भारतीय जनता युवा मोर्चा द्वारा आयोजित रक्तदान शिविर का शुभारंभ किया। राजधानी रायपुर में भाजपा ने कई कार्यक्रमों का आयोजन किया। इस अवसर पर श्री अग्रवाल ने कहा, रक्तदान मानव सेवा का एक माध्यम है। रक्तदान से न केवल जरूरतमंद लोगों की जान बचाई जा सकती है, बल्कि यह समाज में आपसी सहयोग और सद्भावना को भी बढ़ावा देता है। 47वीं बार

रक्तदान करने वाली श्रीमती शैलेंद्री परगनिया का सम्मान किया। शिविर का आयोजन भाजयुमो जिलाध्यक्ष गोविंदा गुप्ता ने किया। महिला मोर्चा द्वारा श्याम नगर स्थित वृद्धाश्रम में वृद्धजनों को फल एवं मिठाई का वितरण कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दीर्घायु होने की कामना की गई। कार्यक्रम को जयंती पटेल, सत्यम द्रुवा, गोपी साहू, राजकुमार राठी एवं पार्षद सीमा साहू ने भी संबोधित किया। भारतीय जनता पार्टी जिला किसान मोर्चा रायपुर के तत्वाधान में किसान मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष गौरी शंकर श्रीवास की अध्यक्षता में जिलाअध्यक्ष गज्जू साहू के द्वारा हीरापुर सामुदायिक भवन में नरेंद्र मोदी के जन्म दिवस की उपलक्ष में किसानों का सम्मान हीरापुर सामुदायिक भवन में किया गया।

छत्तीसगढ़ के छह नए जिलों में जिला पंचायत का गठन, नई सीमाएं तय

सरकार ने जारी की अधिसूचना

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ में नवगठित छह जिलों में नवीन जिला पंचायतों का गठन हो गया है। राज्य सरकार ने इस संबंध में अधिसूचना जारी कर दी है। इससे पहले सरकार ने इस संबंध में नए जिला पंचायतों की सीमाएं तय करते हुए दावा आपत्ति भी मंगाई थी। अब नए जिलों गौरेला- पेंड्रा- मरवाही, सारंगढ़-बिलाईगढ़, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई, मोहला- मानपुर- अंबागढ़ चौकी, सक्ती, मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में नई जिला पंचायत गठित हो गई है। संभावना है कि अगले साल होने वाले त्रिस्तरीय जिला पंचायतों के चुनाव यहां होंगे।

राज्य सरकार के पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग ने इस संबंध में जारी अधिसूचना में कहा है कि अधिसूचना जारी होने के दिनांक से ही लागू मानी जाएंगी। उल्लेखनीय है कि ये राज्य में नए जिले पुराने जिलों के बिलासपुर, रायगढ़, बलौदाबाजार-भाटापारा, राजनांदगांव, जाजंगीर चांपा, एवं कोरिया जिलों के हिस्से थे।

नए जिला पंचायतों में शामिल होंगे ये क्षेत्र

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही में पेंड्रारोड, मरवाही, पेंड्रा तहसील, सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले में सारंगढ़, बरमकेला, सरिया, बिलाईगढ़ और भटगांव, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले में खैरागढ़- गंडई, छुईखदान, और साल्हेवारा तहसील,मोहला-मानपुर- अंबागढ़ चौकी जिले में मोहला, मानपुर, औंधी, खडगांव, अंबागढ़ चौकी तहसील, सक्ती जिले में सक्ती, मालखरौदा,जैजेपुर, बाराद्वार, डभरा, अडभार तहसील,मनेंद्रगढ़- चिरमिरी- भरतपुर जिले में मनेंद्रगढ़, चिरमिरी केल्हारी, भरतपुर, कोटाडोल, खड़गवां तहसील शामिल है।

होंगे जिला पंचायत चुनाव

राज्य सरकार द्वारा नए जिलों में जिला पंचायतों के गठन की प्रक्रिया को लेकर ये संभावना बनती दिख रही है कि इस अगले साल होने वाले राज्य में त्रिस्तरीय जिला पंचायतों के चुनाव में इन नवगठित जिला पंचायतों को भी शामिल किया जा सकता है। हालांकि सरकार की ओर से इस संबंध में फिलहाल कोई जानकारी नहीं दी गई है। दूसरी ओर इस बात की संभावना भी है कि राज्य में नगरीय निकायों और और पंचायतों के चुनाव भी एक साथ हो सकते हैं। इसे एक प्रदेश एक चुनाव के अभियान के रूप में देखा जा रहा है। सरकार ने एक साथ निकाय और पंचायतों के चुनाव करवाने के लिए सुझाव भी आमंत्रित किए हैं। लिहाजा ये संभावना भी बनी है कि ये दोनों चुनाव एक साथ हो सकते हैं।

कांग्रेस ने खोला मोर्चा, मामले में बड़े भ्रष्टाचार की आशंका : विकास

पापुनि की पुस्तक रद्दी में बेचने का मामला जांच समिति ने बंटी किताबों का मांगा ब्योरा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

पाठ्य पुस्तक निगम की किताबें रद्दी में बेचे जाने के मामले में गठित समिति ने अपनी जांच शुरू कर दी है। जिला स्तर पर डीईओ और संकुल प्रभारियों से बांटी गई पुस्तकों की जानकारी मंगाई है। चालू सत्र के लिए छपवाई गई पुस्तकों कर विवरण लेकर जांच की जा रही है। बताया जाता है कि रायपुर के रियल बोर्ड पेपर मिल सिलियारी के एक गोदाम में स्कूली किताबें जशपुर, सरगुजा, रायगढ़, धमतरी की हैं। राज्य सरकार ने इस मामले में पांच सदस्यीय जांच टीम बनाई है। बताया जाता है कि पापुनि की किताबों को रद्दी में बेचे जाने के मामले में यह खुलासा हुआ है कि रियल बोर्ड पेपर मिल सिलियारी के गोदाम में जशपुर, सरगुजा, रायगढ़ और धमतरी की कुल 60 टन से अधिक किताबें मिली। निगम द्वारा छपवाई जाने वाली किताबों को जिलों में संकुल केंद्र प्रभारियों के माध्यम से स्कूलों में बंटवाया जाता है। वहीं जितनी जरूरत है उससे अधिक छपाई का मामला सामने आ रहा है।

कांग्रेस ने की रिटायर्ड जज से जांच की मांग

कांग्रेस के पूर्व विधायक विकास उपाध्याय ने पत्रकारवार्ता में आरोप लगाते हुए कहा, मामले में राज्य सरकार की घोर लापरवाही है। भ्रष्टाचार करने स्कूली किताबों को रद्दी में बेची गयी है। सरकार ने किताबें छपवाई, लेकिन उन्हें छात्रों तक पहुंचाने के बजाय कबाड़ में बेच दिया। यह किताबें सर्व शिक्षा अभियान और छत्तीसगढ़ पाठ्यपुस्तक निगम की ओर से प्रकाशित की गई थीं, जो छात्रों को फ्री में दी जानी थीं। उन्होंने कहा, पूरे मामले में एक बड़े भ्रष्टाचार की आशंका से इंकार नहीं किया जा सकता। किताबें जितनी मात्रा में छपनी चाहिए थी उससे कहीं ज्यादा मात्रा में छापा गया और फिर एजेंसी की ओर से छापने की राशि सरकार से ले ली गई, फिर उन्हीं किताबों को रद्दी में बेच दिया जाता है। सीधे-सीधे करोड़ों रूपये का भ्रष्टाचार किया गया है। वर्तमान सरकार ने इस पूरे प्रकरण के खानापूर्ति के लिए पांच सदस्यीय जांच दल बनाया है। इसमें दो लोग पूर्व से ही भ्रष्टाचार में लिप्त हैं। जांच दल की बजाय सीबीआई जांच या फिर रिटायर्ड जज की अगुवाई में मामले की जांच की जाये। इस मुद्दे को लेकर कांग्रेस बड़ा आंदोलन करेगी।

कांग्रेस ने भी बनाई जांच समिति

मामले में कांग्रेस ने पूर्व राज्यसभा सदस्य छाया वर्मा के नेतृत्व में पांच सदस्यीय जांच दल का का गठन किया है। समिति में अन्य सदस्यों में विकास उपाध्याय, अनिता शर्मा, उधोराम वर्मा, श्रीकुमार मेनन, पप्पु बंजारे को शामिल किया गया है। समिति के सदस्यों से कहा गया है कि पापुनि के अधिकारियों, कर्मचारियों से चर्चा कर वस्तुस्थिति से अवगत कराएं।

विश्वकर्मा जयंती पर राज्य स्तरीय श्रमिक सम्मेलन का आयोजन

57 हजार श्रमिकों को 49.43 करोड़ की राशि अंतरित

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने विश्वकर्मा जयंती पर आयोजित राज्य स्तरीय श्रमिक सम्मेलन में 57 हजार से अधिक पंजीकृत परिवारों को विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत 49.43 करोड़ रुपए की राशि डीबीटी के माध्यम से उनके खाते में अंतरित की। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में श्रमवीरों को शाल और प्रतीक चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया। इस मौके पर उन्होंने श्रम विभाग द्वारा तैयार की गई कॉफी टेबल बुक 'क्रेडल्स ऑफ होप' का विमोचन किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन ने की। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम में श्रमिकों को विश्वकर्मा दिवस पर बधाई और शुभकामनाएं देते हुए मुख्यमंत्री ने श्रमिकों के हित में श्रम विभाग द्वारा शुरू किए गए श्रमेव जयते एप और श्रमिक हेल्पलाइन नंबर की प्रशंसा की। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पहले कार्यकाल में उन्होंने ढाई से 3 साल तक केंद्र में श्रम राज्य मंत्री के रूप में काम किया। तब श्रमिकों को बहुत ही कम पेंशन राशि मिलती थी। प्रधानमंत्री की पहल पर यह राशि बढ़ाकर एक हजार रुपए की गई। साथ ही प्रोविडेंट फंड बनाकर श्रमिकों को यूनिवर्सल नंबर आबंटित किए गए। यूनिवर्सल नंबर के जरिए श्रमिकों को देश के किसी भी स्थान जाने पर इस स्थायी नंबर के जरिए विभिन्न लाभ मिलते हैं। पीएफ की राशि क्लेम नहीं करते थे, उन्हें 27 हजार करोड़ रुपए दावा राशि का भुगतान कराया गया।

श्रमिकों की संचालित योजनाएं पिछली सरकार ने बंद कर दी थी : रमन

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा, प्रदेश सरकार में योजनाओं के क्रियान्वयन में सुशासन और पारदर्शिता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। श्रमिकों को आज विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत सहायता राशि डीबीटी के माध्यम से भेजी गई है। श्रमिकों के बीच अब कोई बिचौलिया नहीं आएगा। श्रमिकों को अब राशि सीधे उनके बैंक खातों में मिल रही है। उन्होंने कहा, श्रमिकों के लिए संचालित अनेक कल्याणकारी योजनाएं जिसे पिछली सरकार ने बंद कर दी थी। मुख्यमंत्री उन योजनाओं को पुनः शुरूआत कर रहे हैं।

235 करोड़ की सहायता दी जा रही: देवांगन

श्रम मंत्री लखन देवांगन ने कहा, मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश के श्रमिकों के हित अनेक कल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही है। वर्तमान में प्रदेश सरकार द्वारा 235 करोड़ रुपए अलग-अलग योजना के माध्यम से सहायता राशि श्रमिकों को प्रदान की गई है।

खबर संक्षेप

दर्शन बंदगी करने कई प्रदेशों के हजारों भक्त पहुंचे

रायपुर। भादो पूर्णिमा के अवसर पर कबीरपंथ के वंशाचार्य पंथ प्रकाशमुनि नाम साहब के कटोरा तालाब स्थित निवास प्रकाश कुंज में मंगलवार को दर्शन बंदगी दे रहे हैं। कार्यक्रम के व्यवस्थापक प्रशांत शर्मा ने बताया कि सुबह 8 बजे गुरु महिमा पाठ एवं पूणो महत्तम पाठ संत्र-महंतों द्वारा किया गया, फिर पंथश्री प्रकाशमुनि नाम साहेब मंच पर विराजमान हुए और भक्त नारियल, पान-फूल के साथ बारी-बारी से बंदगी कर आशीर्वाद ले रहे हैं। इस कार्यक्रम में सद्गुरु कबीर धर्मदास वंशावली सेवा समिति, अध्यक्ष मनोहर साहू, उपाध्यक्ष डॉ. हीरा साहू, प्रीतम दास मानिकपुरी, सचिव छोटू साहू, कोषाध्यक्ष संतोष वर्मा, सहसचिव माखन साहू, राजकुमार मोंगारे, वरिष्ठ सलाहकार डॉ. खिज्जु साहू, मीडिया प्रभारी संतोष साहू, मनोज साहू, नवयुवक मंडल एवं आमीन माता महिला मंडल रायपुर का विशेष सहयोग रहा।

डीजे के संचालन से बैन हटाने की मांग

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस कमेटी ओबीसी विभाग के कार्यकारी प्रदेशाध्यक्ष भावेश बघेल ने डीजे बजाने पर बैन करने का फरमान को जल्द से जल्द वापस लेने की मांग शासन-प्रशासन से की है। इस मौके पर श्री बघेल ने कहा कि ये फैसला सरासर हिंदू विरोधी है। हर बार हमारे हिंदू धर्म को ही क्यों निशाना बनाया जा रहा है। इस मामले में सभी को एकजुट हो कर इसका पुरजोर विरोध करना चाहिए, क्योंकि डीजे, धुमाल को बैन करने से जो लोग इस व्यवसाय से जुड़े हैं, उन्हें भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। ये व्यवसाय सीजनेबल है।त्योहारों के सीजन में ही डीजे, धुमाल वालों को बुकिंग मिलती है और पूरे साल इस वक्त का इंतजार ये लोग करते हैं। ये सरासर उनके पेट में लात मरने जैसा है। इस फरमान को जल्द से जल्द वापस लेना चाहिए।

निधन

दिनेश कुमार यादव

रायपुर। संतोषी चौक पंडरी निवासी दिनेश कुमार यादव (50) का 17 सितंबर को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार देवेंद्र नगर मुक्तिधाम में किया गया। वे कुनाल और लव यादव के पिता थे।

विमला देवी पारख

रायपुर। सिविल लाइंस निवास विमला देवी पारख (76) का 17 सितंबर को निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा 18 सितंबर को दोपहर 3 बजे उनके निवास स्थान से मारवाड़ी श्मशानघाट के लिए निकलेगी। वे विकास पारख की माता थीं।

प्रेमचंद श्रीश्रीमाल

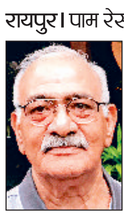

रायपुर। पाम रेसीडेंसी साईंनगर कटोरा तालाब निवासी प्रेमचंद श्रीश्रीमाल का 17 सितंबर को निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा 18 सितंबर को दोपहर 2 बजे उनके निवास स्थान से मारवाड़ी श्मशानघाट के लिए निकलेगी। वे निखिल, नैनीश के पिता एवं ज्ञानचंद श्रीश्रीमाल के भाई थे।

न्यायालय तृतीय व्यवहार न्यायाधीश वर्ग-2 बिलासपुर
// नोटिस //

व्यववाद क्र. 49 ब/ 2020
आदेश दिनांक - 27-08-2024
पेशी तारीख - 07-10-2024
प्रो.क्र. - 330

डीपीएमके फर्टिलाईजर्स प्रा.लि..........वादी
बनाम :-
'फर्म' किशन गोपाल श्री गोपाल राठी वगैरह
......प्रतिवादीगण

(1) ''फर्म किशन गोपाल श्री गोपाल राठी''प्रो. श्रीमती गौरा देवी उम्र लगभग 86 वर्ष पति स्व. गोपाल राठी निवासी- अवंति गार्डन, दलदल सिवनी बी-ब्लाक, बी-703 रायपुर, तहसील व जिला- रायपुर (छ.ग.) पिन - 492001
(2) श्रीमती गौरा देवी उम्र लगभग 86 वर्ष, पति स्व. गोपाल राठी ''फर्म'' किशन गोपाल श्री गोपाल राठी निवासी-अवंति गार्डन, दलदल सिवनी बी-ब्लाक, बी-703 रायपुर, तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.) पिन - 492001
(3) राजकुमार राठी उम्र लगभग 63 वर्ष, आ0 स्व. गोपाल राठी निवासी- अवंति गार्डन, दलदल सिवनी बी-ब्लाक, बी-703 रायपुर, तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.) पिन - 492001

वादी ने प्रतिवादीगण के विरुद्ध वाद वास्ते बकाया रकम रू. 6,35,906-00 की वसूली का वाद माननीय तृतीय व्यवहार न्यायाधीश वर्ग-2 बिलासपुर के न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया है जिसकी पेशी दिनांक 07-10-2024 को दिन के 11.00 बजे उत्तर देने के लिए नियत किया गया है। आप न्यायालय में स्वयं या अपने किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते है जिसे सम्यक अनुदेश दिए गए हो और जो संबंधित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके। यदि किसी कारण से नियत पेशी तारीख को इस न्यायालय में अवकाश घोषित हो जाता है या पीठासीन न्यायाधीश अवकाश पर है तो अगले कार्य दिवस को अग्रिम कार्यवाही की जावेगी ।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप पेशी तारीख को इस न्यायालय में उपस्थित नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जाएगा।

अत: आज दिनांक 11/09/2024 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर जारी किया गया है।

(श्रीमती प्रेरणा आहीरे)
न्यायालय तृतीय व्यवहार
न्यायाधीश वर्ग-2
बिलासपुर (छ.ग.)

माशिम ऑनलाइन करेगा मान्यता प्रक्रिया, जिनके पास जमीन नहीं उन पर सख्ती

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

स्कूलों को दसवीं-बारहवीं संबंधित नवीन मान्यता प्रदान किए जाने को लेकर माध्यमिक शिक्षा मंडल सख्त हो गया है। इस बार नवीन मान्यता को लेकर माशिम को 183 आवेदन प्राप्त हुए थे। इनमें से मात्र 10 को ही मान्यता प्रदान की गई है। शेष स्कूलों को कमियां दूर करने निर्देश दिए गए हैं। नियमों का कड़ाई से पालन किए जाने के साथ ही माशिम ने पारदर्शिता बरतने के इरादे से मान्यता संबंधित सभी प्रक्रिया ऑनलाइन करने का निर्णय किया है। नवीन मान्यता के लिए आवेदन पहले से ही ऑनलाइन मोड में किए जा रहे हैं। अब मान्यता संबंधित दस्तावेज भी ऑनलाइन मोड में ही जमा किए जाएंगे।

■ **नियमत: स्कूलों के पास स्वयं की 20 हजार वर्गफीट होना अनिवार्य, कई विद्यालय किराए के भवन में**

अंदरूनी सूत्रों के अनुसार, कमीशन सहित इस तरह की अन्य शिकायतें प्राप्त होने के बाद व्यवस्था परिवर्तन का निर्णय लिया गया है। पूर्व सत्रों में भी इस दिशा में निर्णय लिए गए थे, लेकिन कोई कार्य इस दिशा में नहीं हो सका। मौजूदा सत्र में इस दिशा में गंभीरता से कार्य किए जा रहे हैं, ताकि आगे पूरी कार्रवाई ऑनलाइन ही की जाए। स्कूलों को मान्यता संबंधित दस्तावेज भी ऑनलाइन आवेदन ही उपलब्ध करा दिए जाएंगे।

183 स्कूलों ने किए थे 10वीं-12वीं के लिए आवेदन, इनमें से सिर्फ 10 को ही मान्यता

अनुपात से कम शिक्षक

जिन 173 स्कूलों को मान्यता प्रदान नहीं की गई है, उनमें से अधिकतर के पास स्वयं की जमीन या तो नहीं है अथवा अपर्याप्त है। नियमतः स्कूल संचालन के लिए 20 हजार वर्ग फीट भूमि स्वयं की होनी अनिवार्य है। राजधानी में बड़ी संख्या में ऐसे स्कूल हैं, जो किराए के भवनों में संचालित हो रहे हैं। जिन स्कूलों को पहले से मान्यता मिली हुई है, उनका नवीनीकरण छात्रहित को देखते हुए किया जा रहा है, लेकिन नए स्कूलों को संबद्धता प्रदान किए जाने को लेकर माशिम सख्त हो गया है। जमीन के अलावा एक अन्य वजह शिक्षकों की कमी है। अनुपात से कम शिक्षक होने के कारण भी कई विद्यालयों को संबद्धता नहीं दी गई है।

अनावश्यक कड़ाई

नियमों में अनावश्यक कड़ाई छात्रों के भविष्य पर लगाम लगा सकती है। नियम कई वर्षों पुराने हैं। नए सिरे से मापदंड निर्धारित करने की आवश्यकता है।
- राजीव गुप्ता, अध्यक्ष, प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन

वंदेभारत में कवच सिस्टम अभी सक्रिय नहीं, डिजिटल ऑपरेटिंग से सिग्नल

अब झंडी की जरूरत खत्म, पायलट का काम हुआ आसान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

हरिभूमि सरोकार

दुर्ग से विशाखापट्टनम के लिए वंदे भारत एक्सप्रेस की सुविधा मिलने से इसका लाभ यात्रियों के साथ ट्रेन चलाने वाले लोको पायलट को भी मिल रहा है। सामान्य ट्रेनों से वंदेभारत का इंजन भी अलग है। रेलवे ने इंजन में सुविधाएं बढ़ा दी हैं, जिससे लोको पायलट के लिए काम करना और भी आसान हो गया है। हरिभूमि ने रायपुर से महासमुंद तक पायलट केबिन में सफर किया। इस दौरान ट्रेन मैनेजर एसके मंडल ने वंदेभारत के डिजिटल ऑपरेटिंग सिस्टम की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वंदे भारत के केबिन में जो भी सिस्टम लगा हुआ है, वो पूरी तरह से ऑटोमैटिक है।

इसमें सिग्नल देने के लिए झंडी की जरूरत नहीं पड़ती, बल्कि लाल और हरे बटन को दबाकर सिग्नल दिया जा सकता है। इसके अलावा इस ट्रेन के केबिन में पायलट के लिए एसी, आरामदायक सीट व टॉयलेट जैसी सभी आवश्यक सुविधाएं मौजूद हैं। मैनजर ने बताया कि वंदेभारत में कवच सिस्टम लगा हुआ है, लेकिन यह अभी सक्रिय नहीं है। जल्द ही यह सुविधा भी जुड़ जाएगी, लेकिन इसमें इमरजेंसी के लिए काफी मजबूत और भरोसेमंद मशीन लगाई गई है, जिससे ब्रेक लगते ही ट्रेन रुक जाएगी। इससे पीछे का धक्का भी नहीं पड़ेगा, जिसकी वजह से ट्रेन पलटने की संभावना नहीं के बराबर ही होगी।

पहले दिन 12 लोगों ने खरीदा टिकट

नई वंदेभारत को लेकर बुकिंग ऑनलाइन शुरू हो चुकी है। 20 सितंबर से ट्रेन नियमित चलेगी। इसके लिए मंगलवार को पहले दिन सीसी कोच में 12 लोगों ने टिकट खरीदा। ईसी कोच में किसी भी यात्री ने ऑनलाइन बुकिंग अभी तक नहीं लिया है। बता दे कि ऑनलाइन में सीसी कोच में 922 सीट और ईसी कोच में 83 सीट उपलब्ध है। वर्तमान में शाम 7 बजे तक सीसी में 910 और ईसी में 83 सीट खाली थी। इस गाड़ी का ठहराव रायपुर, महासमुंद, खरीयार रोड, कांटाबांजी,टीटलागढ़, केसिंगा, रायगड़ा, पार्वतीपुरम, विजयनगरम में है।

इस तरह रहेगा वंदेभारत का किराया

- एग्जीक्यूटिव क्लास में दुर्ग से विशाखापट्टनम का किराया ब्रेकफास्ट, चाय व लंच के साथ 2825 रुपए है। बिना खाने के साथ किराया 2410 रुपए रहेगा।
- चेयर कार में ब्रेकफास्ट, चाय व लंच के साथ किराया 1565 रुपए है। बिना खाने सहित 1205 रुपए रहेगा।
- रायपुर से विशाखापट्टनम एग्जीक्यूटिव क्लास में ब्रेकफास्ट, चाय व लंच के साथ किराया 2695 रुपए है। बिना खाने सहित 2300 रुपए रहेगा।
- चेयर कार में किराया ब्रेकफास्ट, चाय व लंच के साथ किराया 1495 रुपए है। बिना खाने सहित 1150 रुपए रहेगा ।
- रायपुर से विशाखापट्नम चलने वाली समता एक्सप्रेस में वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में किराया 1265 रुपए है, वही वंदे भारत एक्सप्रेस में चेयर कार में किराया 1150 रुपए है, जो कि 115 रुपए कम भी है। वंदे भारत एक्सप्रेस से जाने से 3 घंटे के समय की बचत भी होती है।

केबिन से ही यात्रियों की समस्या का समाधान

वंदेभारत का ऑपरेटिंग सिस्टम डिजिटल होने से लोको पायलट यात्रियों की समस्या भी चंद मिनटों में सुलझा देते हैं। मैनेजर ने बताया कि डिजिटल के जरिए दोनों इजन के पायलेट बात करते हैं। आवाज क्लीयर होती है। आरामदायक चेयर होने से काम के दौरान थकावट भी नहीं होती है। सहायक लोको पायलट ऋतिका ने बताया क ट्रेन चलाने से दो घंटे पहले कॉल बुक दिया जाता है और ड्यूटी पूरी होने के बाद 16 घंटे का आराम दिया जाता है। ऋतिका ने बताया कि लोको पायलट के रूप में नौकरी शुरू की थी, तब थोड़ा डर लगता था कि ट्रेन चला पाऊंगी या नहीं, लेकिन धीरे-धीरे यह डर समाप्त होता गया। ऋतिका यात्री ट्रेन और मालगाड़ी दोनों ही चलाती हैं।

नशेड़ी ने मचाया उत्पात पकड़ने पहुंची पुलिस तो वाहन में की तोड़फोड़

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

राजधानी रायपुर के सड्डू इलाके में एक नशेड़ी ने जमकर उत्पात मचाते हुए पुलिस वाहन में तोड़फोड़ कर दी। घटना मंगलवार शाम की है। बताया गया कि कुछ लोगों ने 112 में डॉयल कर पुलिस को सूचना दी थी कि नशे में धुत एक व्यक्ति हथियार लेकर आम लोगों को डराते हुए घूम रहा है। पुलिस ने जब मौके पर पहुंचकर नशेड़ी को पकड़कर पुलिस वाहन में बैठाया, तो उसने वाहन में तोड़फोड़ करना शुरू कर दिया। इससे वाहन के पीछे गेट का कांच भी टूट गया।

नशेड़ी पर लोगों ने पाया काबू

विधानसभा थाना प्रभारी यशवंत सिंह ने बताया कि आम लोगों की सूचना पर 112 वाहन टीम जब मौके पर पहुंची, तो नशेड़ी लोहे का हथियार को हवा में लहराते हुए लोगों को डरा धमका रहा था। वह नशे में इतना ज्यादा धुत था कि जब पुलिस ने उससे हथियार छीनकर वाहन में बैठाया तो वह कांच तोड़कर गाड़ी से बाहर निकल गया। इस दौरान पुलिस जब आरोपी को दोबारा पकड़ने का प्रयास करने लगी वह उत्पात करने लगा। इसे देखते वहां मौजूद कुछ लोगों आरोपी का नशा कम करने के लिए थप्पड़ मारते हुए उस पर काबू पाया। इसके बाद पुलिस आरोपी को वाहन में बैठा कर थाने ले गई। थाना प्रभारी ने बताया कि इस मामले में नशेड़ी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के अलावा शासकीय वाहन में तोड़फोड़ करने का भी अपराध दर्ज किया जाएगा।

शहीद परिवार का सम्मान समारोह आज

रायपुर। शासकीय नागार्जुन स्नातकोत्तर विज्ञान महाविद्यालय में 18 सितंबर को शहीद परिवार सम्मान समारोह और विराट कवि सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में कॉलेज के पूर्व छात्र व 1965 के भारत-पाक युद्ध में शहीद हुए मेजर गोरे के शहादत को याद किया जाएगा। इस अवसर पर सुप्रसिद्ध कवि व साहित्यकार रामेश्वर वैष्णव, मीर अली मीर, संजय कबीर, विजय मिश्रा, राजेश जैन राही, कृष्ण कुमार भारती, क्रांति दीक्षित, मनोज शुक्ला, सरिता सरोज, शिवानी बानी व अन्य कलाकार तथा साहित्यकार अपनी प्रस्तुति देंगे।

विश्वकर्मा विश्व के सबसे बड़े शिल्पी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

डॉ. भीमराव आंबेडकर स्मृति चिकित्सालय में विश्वकर्मा जयंती मनाई गई, जिसमें मुख्य अतिथि मेट्रन नंदा रंगारी थीं। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि भगवान विश्वकर्मा विश्व के सबसे बड़े शिल्पी हैं, जिन्होंने लंका भी बनाई और देश के विभिन्न उपकरणों को भी नवाजा। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए धोबी समाज के प्रदेश अध्यक्ष सूरज निर्मलकर ने कहा, लॉन्ड्री कर्मचारी अपनी ताकत को पहचानें और अपने हौसले को सही जगह इस्तेमाल करें। विशिष्ट अतिथि आदिवासी समाज के अध्यक्ष सुरेश नेताम ने भगवान विश्वकर्मा के पदचिन्हों पर चलने का आव्हान लॉन्ड्री कर्मचारियों से किया। देवांगन समाज के अध्यक्ष चोवाराम देवांगन ने कहा, हम लोगों की मेहनत व्यर्थ नहीं जाएगी, मेहनतकश लोग हैं, निश्चित रूप से अस्पताल प्रशासन कद्र करता है, तभी तो बिना किसी शिकायत के इतना अच्छा कार्य कर रहे हैं। इस महत्वपूर्ण आयोजन में दक्ष कारीगरों का सम्मान किया गया। प्रमुख रूप से मंजू बघेल, बिहारी राम देवांगन, रोहित साहू, नागेश कंवर, सनी यादव, राजकुमार यादव, धोबी समाज के प्रदेश महामंत्री हेमंत निर्मलकर, महानगर अध्यक्ष वरुण निर्मलकर, करण निर्मलकर, ललित यादव, भूपेंद्र जायसवाल, हीरालाल धीवर, कौशल ध्रुव, अभय निर्मलकर, संदीप यादव, रवि निर्मलकर, रोशन वर्मा शामिल रहे।

पेज 11 के शेष ...

डीजे के प्रतिबंध से...

विसर्जन के दौरान इस बार शोर कम रहा है। हरिभूमि ने जब ढोल की आवाज का डेसीबल जांच की, तो ढोल के 10 मीटर तक डेसीबल 60 से 70 तक रहा, जो घर में बैठे लोगों के लिए भी असहनीय नहीं था। इसके अलावा ढोल के करीब पहुंचने से डेसीबल 80 से 90 तक पहुंच गया था। प्रशासन ने डीजे के लिए 65 से 70 डेसीबल तक निर्धारित किया है, लेकिन इतनी आवाज में कोई भी समिति विसर्जन में डीजे लेकर तालाब व घाट नहीं पहुंची। शहरभर में केवल पटाखों की गूंज ही सुनाई देती रही है। डीजे के प्रतिबंध ने बाजार में फटाखों की बिक्री अचानक से बढ़ा दी।

बुजुर्गों ने कहा- 20 सालों...

पटाखों की आवाज ने जरूर परेशान किया। सदर बाजार निवासी 79 वर्षीय प्रेम कोचर ने बताया कि बीते 6 सालों गणेश विर्सजन के दौरान 4 दिन शहर से बाहर चले जाता था, लेकिन इस बार शहर में हूं। डीजे के प्रतिबंध का फैसला हर वर्ग के स्वास्थ्य के लिए लाभकारी है। उन्होंने कहा कि झांकी में डीजे के उपयोग नहीं होने से शोर आधा रहेगा इसका का संतोष है।

मनाही के बावजूद...

इस कार्य से रोकने और विसर्जन कुंड में ही प्रतिमा विसर्जन की समझाइश देने स्पॉट पर न निगम के अधिकारी, कर्मचारी दिखे और न ही जिला प्रशासन की ओर से इसके ठोस इंतजाम नजर आये।

गणेश झांकियों के...

के बाद गाड़ियों की वापसी महादेवघाट तिराहा से एनीकट मार्ग होकर भाठागांव ओवरब्रिज चौक रिंगरोड से होगी।

गाड़ी चलाने का...

क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी आशीष देवांगन ने बताया कि कार्यालय में 4 परिवहन सुविधा केंद्र के खिलाफ शिकायतें मिली थीं। इनमें मेसर्स साहू आरटीओ एवं बीमा सलाहकार परिवहन सुविधा केन्द्र अभनपुर एवं मेसर्स डिजिटल परिवहन सुविधा केन्द्र सिन्हा काम्लेक्स, बीआईटी रोड ग्राम केन्द्री अभनपुर, मेसर्स रेणुका परिवहन सुविधा केन्द्र वार्ड क्रमांक 11 आदर्श नगर ग्राम नकटा मंदिर हसौद तथा शुभ परिवहन सुविधा केन्द्र मुकुट नगर लाखे नगर रायपुर शामिल है। उन्होंने बताया कि चारों परिवहन सुविधा केंद्रों के खिलाफ जो शिकायतें मिली थीं, वह सही पाई गई हैं।

एंबुलेंस में जरूरी...

नाजुक हो गई थी और वापस एमएमआई नारायणा हास्पिटल लाने के बाद जांच के दौरान उसे मृत घोषित कर दिया गया था। एयरक्राफ्ट से जुड़े टेक्निकल और चिकित्सकीय स्टाफ से पूछताछ नहीं हो पाई है और ना ही उसमें मौजूद उपकरणों का पता चला पाया है। मामले में गठित स्वास्थ्य विभाग के जांच दल ने मंगलवार को दोपहर टिकरापारा थाने पहुंचकर वहां खड़ी रेड एंबुलेंस की जांच की। चिकित्सकीय स्टाफ ने उसमें मौजूद तमाम उपकरणों के बारे में जानकारी ली और कई को ऑन कर देखा जो ठीक ठाक था। टीम से जुड़े सूत्रों का कहना है कि एंबुलेंस में कोई कमी नहीं मिली है।

ऑटोमोबाइल सेक्टर पर बरसी गणपति की कृपा, 10 दिनों में बिके 20 हजार वाहन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

खास खबर

गणेश चतुर्थी से लेकर 10 दिनों तक लगातार गणेशोत्सव में ऑटोमोबाइल सेक्टर पर जमकर गणपति की कृपा बरसी और रोज करीब दो हजार वाहन बिके। ऐसे में 10 दिनों में 20 हजार से ज्यादा वाहन बिक गए। इस समय तो चारपहिया वाहनों का भी सभी के पास भारी स्टॉक है।

ऐसे में ग्राहकों को अपनी पसंद का मॉडल भी मिलने में कोई परेशानी नहीं हुई। हालांकि चारपहिया वाहन तीन हजार के आसपास ही बिके हैं, बाकी सब दुपहिया वाहन बिके हैं। अब 15 दिनों तक बाजार में सन्नाटा रहने वाला है, क्योंकि पितृपक्ष में शुभ काम न होने के कारण किसी तरह की कोई खरीदारी नहीं होती है। अगले माह नवरात्रि से ही बाजार फिर से गुलजार होगा। इसके बाद लगातार दीपावली तक जमकर खरीदारी होगी।

त्योहारी सीजन का अब गणेश चतुर्थी से ही आगाज होता है और 10 दिनों तक लोग जमकर खरीदारी करते हैं। सबसे ज्यादा खरीदारी हमेशा से ही वाहनों की होती है। वाहन खरीदने के लिए लोग हमेशा से ही शुभ मुहूर्त देखते हैं। गणेशोत्सव में पूरे 10 दिनों को शुभ माना जाता है। ऐसे में पूरे 10 दिनों में लोगों को जब भी मौका मिलता है, अपनी पसंद के वाहन या अन्य सामान लेते हैं।

सबसे ज्यादा बिकी बाइक

गणेशोत्सव में सबसे ज्यादा बिक्री बाइक की हुई है। आटोमोबाइल कारोबारियों के मुताबिक रोज करीब डेढ़ हजार बाइक्स बिकी हैं। ऐसे में करीब 17 हजार के आसपास बाइक की ही बिक्री हुई है। जहां तक चारपहिया वाहनों का सवाल है, इसकी 10 दिनों में तीन हजार के आसपास बिक्री हुई है। इस बार सबसे बड़ी बात यह रही है कि चारपहिया वाहनों में ज्यादातर मॉडल ऑन डिमांड मिले हैं। ऐसे में लोगों को मनपसंद वाहन के लिए पहले से बुकिंग कराने की भी जरूरत नहीं पड़ी है। इसके पीछे का कारण यह है कि देशभर में चारपहिया वाहन बनाने वाली कंपनियों में भारी उत्पादन होने के कारण अब डीलरों के पास भारी संख्या में वाहनों का स्टॉक आ रहा है। अपने प्रदेश छत्तीसगढ़ में भी डीलरों के पास इस समय भी दो माह का स्टॉक हो गया है। आमतौर पर डीलर ज्यादा से ज्यादा 15 दिनों का स्टॉक रखते हैं, लेकिन ज्यादा सप्लाई के चलते अब स्टॉक ज्यादा हो गया है। बीते माह मानसून के कारण वाहनों की बिक्री भी ज्यादा नहीं हो सकी है। अब इस माह त्योहारी सीजन जमकर बिक्री हुई है। अब कारोबारियों को 15 दिनों तक खाली बैठना पड़ेगा, क्योंकि अब पितृपक्ष प्रारंभ हो गया है। अब 2 अक्टूबर तक किसी भी तरह की खरीदारी नहीं होगी। इसके बाद जब 3 अक्टूबर से नवरात्रि का प्रारंभ होगा तो इसके बाद जमकर खरीदारी होगी। नवरात्रि में भी लोग 9 दिनों तक लगातार खरीदारी करते हैं।

Health Town

राज-राजेश्वरी आयुर्वेदिक चिकित्सा केन्द्र
न्यूरो-पंचकर्मा चिकित्सा केन्द्र, रायपुर मो. 9039050422, 91794 55561
• स्लीप डिस्क, आर्थराइटिस • Back Pain, सायटिका • जोड़ो में दर्द, मांसपेशियों में दर्द
• जकड़न (Stiffness) व नशों का दबना • टेंडन एवं लिगामेंट इंजरी • सर दर्द, पॅरालिसीस • स्पांडिलाइटिस • गठिया रोग
डॉ. के.बी. श्रीनिवास राव
INTL Ayurvedic Consultant
राज्य अलंकरण अवार्ड से सम्मानित
अशोक विहार, स्ट्रीट नंबर 5, सरस्वती दाल मिल के सामने, मंडी गेट के सामने, पंडरी रायपुर। मनसा चैम्बर्स, कल्याण हॉस्पिटल के पीछे, बिलासपुर रोड, फाफाडीह रायपुर।

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771- 4242213, 7987119756, 9303508130

खबर संक्षेप

पॉवर लिफ्टिंग चैंपियनशिप 22 को

रायपुर। वर्ल्ड पॉवर लिफ्टिंग इंडिया एसोसिएशन ऑफ छग और ताम्रकार प्लेटिनम फिटनेस जिम की ओर से 22 सितंबर को रायपुर डिस्ट्रिक्ट पॉवर लिफ्टिंग चैंपियनशिप का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम लाखेनगर चौक रायपुर में होगा। इस संबंध में एसोसिएशन के अध्यक्ष मानिक ताम्रकार ने बताया कि स्ट्रांग मैन को 3100, वूमेन को 2500, स्ट्रांग मैन जूनियर को 2100, सब जूनियर को 1100 रुपए नकद पुरस्कार के साथ आकर्षक मेडल और मोमेंटो प्रदान किया जाएगा। इस प्रतियोगिता में चयनित खिलाड़ी चिरमिरी में 28 एवं 29 सितंबर को आयोजित पॉवर लिफ्टिंग चैंपियनशिप में हिस्सा लेंगे। चयनित खिलाड़ी को एसोसिएशन की ओर से एक तरफ का यात्रा भत्ता दिया जाएगा।

पीड़ित परिवार से की मुलाकात, कहा- आरोपियों पर हो सख्त कार्रवाई

रायपुर। बलौदाबाजार-कसडोल से मात्र 4 किमी दूर ग्राम छरछेदा में घटित घटना निंदनीय है। आम आदमी पार्टी इसकी निंदा करती है और छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार का गृह मंत्रालय पूरी तरह से फेल साबित हो चुका है। प्रदेश अध्यक्ष गोपाल साहू मंगलवार को छरछेदा ग्राम पहुंच पीड़ित परिवार से मुलाकात कर अपनी संवेदना व्यक्त करते हुए अपनी ओर से सहयोग राशि प्रदान की एवं कहा कि आम आदमी पार्टी पूरी तरह से पीड़ित परिवार के साथ है। यह घटना बहुत ही दुःखद है जहां एक ही परिवार के 4 लोगों की हत्या कर दी गई, वो भी अंधविश्वास व टोनही की आशंका के चलते। कसडोल पीड़ित परिवार से मुलाकात के दौरान आप के प्रदेश अध्यक्ष गोपाल साहू, मुख्य प्रवक्ता सूरज उपाध्याय, वदूद आलम, प्रदेश नंदन सिंह, जगन्नाथ महिलांग, अज़ीम खान, लक्ष्मण सेन, प्रदुमन शर्मा, पुनारद निषाद, दिलीप फेकर, श्यामाचरण साहू, नरेंद्र मनहर, हरिशंकर नारंगे, दिलीप साहू, जगजीवन खटकर, सुखचंद साहू समेत बलौदाबाजार जिले के पदाधिकारी, अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जो समाज संगठित होता है, वही आगे बढ़ता है

रायपुर। ओड़िया समाज के महापर्व नुआखाई के अवसर पर आजाद नगर में धूमधाम से आयोजन किया गया। इस दौरान समाजजनों द्वारा एक-दूसरे को गले लगाकर, बड़े-बुजुर्गों के चरण छूकर नुआखाई जुहार भेंट की गई। समाजजनों ने एक स्वर में सामाजिक भाईचारा, एकता बनाए रखने का संकल्प लिया। इस मौके पर मुख्य अतिथि सामाजिक नेता अधिवक्ता भगवानू नायक ने कहा कि गोंड़ और गोहुर हम सभी भाई-भाई हैं। नुआखाई हम सब भाइयों को एक मंच में लाकर एकसाथ एकत्रित करते हुए सामाजिक एकता का संदेश देता है, जब प्रकृति हमें संगठित करना चाहती है, तब हम पीछे क्यों रहें।

एमबीबीएस-बीडीएस एडमिशन, संस्था चयन का अंतिम दिन, 24 से एडमिशन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

एमबीबीएस-बीडीएस एडमिशन के दूसरे दौर की काउंसिलिंग के लिए संस्था चयन का आज अंतिम दिन है। अन्य प्रक्रिया पूरी होने के बाद 24 से दस्तावेजों की छानबीन और एडमिशन की प्रक्रिया शुरू होगी जो 28 सितंबर तक पूरी होगी। मेडिकल और डेंटल के निजी और शासकीय कालेजों में यूजी की सवा सात सौ के करीब सीटें बाकी हैं। राज्य के 15 मेडिकल और छह डेंटल कालेजों में पहले दौर की काउंसिलिंग में 1602 विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया था। अभी दूसरे राउंड की काउंसिलिंग की प्रक्रिया के तहत संस्था चयन की प्रक्रिया पूरी की जा रही है। 9 सितंबर से प्रारंभ हुआ यह काम कल 18 सितंबर को पूरा होगा। इसके बाद सीटों का आवंटन, प्रकाशन की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। 24 से कालेजों में विद्यार्थियों के दस्तावेजों की जांच की जाएगी और 28 सितंबर तक एडमिशन का काम पूरा किया जाएगा। सूत्रों के मुताबिक इस राउंड में राज्य कोटे की सभी सीटों में प्रवेश होने का अनुमान है। मैनेजमेंट सीटें खाली रहने पर उसे मॉपअप राउंड के माध्यम से भरने का प्रयास किया जाएगा। इसी तरह डेंटल कालेजों में अभी पचास प्रतिशत से ज्यादा सीटें खाली है इनमें भी एडमिशन के लिए मॉपअप राउंड की प्रक्रिया साथ में पूरी की जाएगी जो अक्टूबर के पहले सप्ताह में प्रारंभ होगी।

दोनों पाठ्यक्रमों की सवा सात सौ के करीब सीटें हैं बाकी

एमडी-एमएस प्रवेश की तारीख का इंतजार

मेडिकल कालेजों में एमडी-एमएस की एडमिशन के लिए तारीख का इंतजार किया जा रहा है। इसके लिए नीट की परीक्षा का परिणाम काफी दिन पहले घोषित हो चुका है। मेडिकल की तुलना में डेंटल कालेजों में पीजी की सीटों पर प्रवेश का काम 90 फीसदी पूरा हो चुका है इसके लिए काउंसिलिंग में दो स्ट्रे राउंड भी पूरा किया जा चुका है। राज्य के निजी और सरकारी मेडिकल कालेजों में पीजी की 460 सीटें हैं।

बढ़ी है मेडिकल की सीटें

इस बार राज्य में एमबीबीएस की ढाई सौ सीटें प्रायवेट सेक्टर में बढ़ी है। राज्य में पहले तीन निजी मेडिकल कालेज में यूजी की पढ़ाई होती थी इस बार दो नए कालेजों को भी प्रवेश की अनुमति मिली है। इसका लाभ विद्यार्थियों को मिला है। शासकीय स्तर पर कालेज की संख्या में वृद्धि नहीं हुई, अधिकारियों का कहना है कि संभवतः अगले साल नए मेडिकल कालेज को स्वीकृति मिल सकती है। अभी चार नए जिलों में मेडिकल कालेज की योजना पर काम पूरा किया जा रहा है।

खाद्य एवं औषधि विभाग का कहना- हमें इसकी जानकारी नहीं

बिना फूड लाइसेंस खुल गए अहाते साढ़े चार महीने में कोई कार्रवाई नहीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खाद्य एवं औषधि विभाग से लाइसेंस लिए बिना ही रायपुर जिले में ठेकेदारों ने अहाते खोल लिए हैं। इन अहातों का टेंडर मई में आबकारी विभाग द्वारा दिया गया था। अहाता खोलने के लिए आबकारी के साथ खाद्य एवं औषधि विभाग का लाइसेंस लेना भी अनिवार्य है। ठेकेदारों ने अहाता खोलने के पूर्व आबकारी विभाग से लाइसेंस तो जारी करा लिए, लेकिन खाद्य एवं औषधि विभाग से लाइसेंस लेना ही भूल गए हैं। तब से लेकर अब तक सभी अहाते खाद्य एवं औषधि विभाग से लाइसेंस लिए बिना ही चलाए जा रहे हैं। इधर इस मामले में आबकारी विभाग के अधिकारी का कहना है कि अहाता खोलने का लाइसेंस उनका विभाग देता है, लेकिन खान-पान की चीजों की बिक्री संबंधी लाइसेंस खाद्य एवं औषधि विभाग जारी करता है। वहीं दूसरी ओर खाद्य एवं औषधि विभाग के अधिकारी का कहना है कि लाइसेंस जारी किए हैं या नहीं, इसकी उन्हें जानकारी नहीं है।

अलग खबर

इन नियमों का भी पालन नहीं

अहाता के लिए कवर्ड एरिया 150 वर्गफीट का होना चाहिए। एरिया छोटा होने पर तो ऊपरी तल मिलाकर अहाता खोला जाना है। अहाता परिसर फ्लोरिंगयुक्त होना चाहिए। अहाता का प्रवेश द्वार मुख्य मार्ग व आम रास्ता की ओर नहीं होना चाहिए। प्रवेश द्वार का मुख्य द्वार का आकार 3.3बायी6.6 होना चाहिए। पार्किंग, एग्जास्ट फेन, शौचालय, बिजली एवं साफ-सफाई की व्यवस्था होनी चाहिए। अहातों में इनमें से भी कई नियमों का पालन नहीं किया जा रहा है।

इसकी जानकारी नहीं

अहातों को लाइसेंस जारी किया गया है या नहीं, इसकी जानकारी नहीं है। इसका पता लगाता हूं।

- **अहसान तिग्गा,** एफएसओ, खाद्य एवं औषधि विभाग

फूड का लाइसेंस हमारा विभाग नहीं देता

फूड का लाइसेंस हमारा विभाग नहीं देता। खाद्य एवं औषधि विभाग से लाइसेंस लेना पड़ता है। अहाता के ठेकेदारों ने फूड का लाइसेंस लिया है या नहीं यह विभाग के अधिकारी ही बता पाएंगे।

- **विकास गोस्वामी,** उपायुक्त, आबकारी विभाग रायपुर

प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक के पानी पाउच-गिलास भी बिक रहे

कई अहातों में प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक के पानी पाउच और गिलास भी बिक रहा है। नगर निगम प्रशासन द्वारा सिंगल यूज प्लास्टिक थैली, पानी पाउच-गिलास को लेकर लगातार अभियान चलाया जाता है। सब्जी, फल, पान ठेले सहित कई दुकानों में औचक निरीक्षण करके निगम की टीम द्वारा सिंगल यूज प्लास्टिक जब्त करते हुए जुर्माना भी लगाया है, लेकिन अहातों में खुलेआम बिक रहे सिंगल यूज प्लास्टिक के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं की गई है।

साढ़े चार महीने बीत चुके अहाता खुले हुए

रायपुर जिले में 56 अहातों के लिए अप्रैल में आबकारी विभाग ने टेंडर निकाला था। अहातों का ठेका 1 मई 2024 से 31 मार्च 2025 तक के लिए दिया गया है। इस तरह ऊंची बोली के आधार पर ठेके पर दिए गए अहातों को खुले साढ़े चार माह से अधिक समय हो चुका है, लेकिन ठेकेदारों ने अहाता खोलने से पूर्व विभाग द्वारा जारी नियमों का पालन किया गया है या नहीं, इसकी जांच तक नहीं की गई है। यही कारण है कि इन साढ़े चार महीने में ठेकेदारों ने खाद्य एवं औषधि विभाग से लाइसेंस तक जारी नहीं कराया है।

10 लाख रुपए तक जुर्माना का प्रावधान

खाद्य एवं औषधि विभाग से लाइसेंस जारी किए बिना अहाता में खान-पान की चीजें बेचने पर 10 लाख रुपए तक जुर्माना का प्रावधान है। विभागीय सूत्र के अनुसार बिना लाइसेंस के अहाता में खान-पान की चीजें बेचना खाद्य सुरक्षा मानक अधिनियम 2006 के अंतर्गत धारा 63 के तहत दंडनीय है। इसके तहत 10 लाख रुपए का जुर्माना का प्रावधान है। हालांकि पूर्व में जुर्माना 5 लाख रुपए और 6 माह तक सजा का प्रावधान था। अधिनियम में बाद में संशोधन किया गया था। इसके बाद सजा का प्रावधान हटाकर जुर्माना राशि दोगुना की गई है।

एसआई भर्ती की मांग को लेकर 30 और अभ्यर्थी बैठे आमरण अनशन पर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

एसआई भर्ती का रिजल्ट जारी कर नियुक्ति देने की मांग को लेकर नवा रायपुर के ग्राम तूता में आमरण अनशन कर रहे अभ्यर्थियों का आंदोलन धीरे-धीरे बड़ा रूप लेने लगा है। अब तक आमरण अनशन पर 3 अभ्यर्थी ही बैठे थे। इनमें से दो अभ्यर्थियों की तबीयत बिगड़ने के बाद प्रशासन के निर्देश पर मेडिकल टीम द्वारा उन्हें जबरदस्ती अस्पताल ले गई। इधर दो अभ्यर्थियों के अस्पताल पहुंचने के बाद आंदोलन में शामिल 30 और अभ्यर्थी आमरण अनशन पर बैठ गए हैं।

मांग पूरी नहीं होने तक जारी रहेगा आंदोलन

अपनी मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे अभ्यर्थियों में शामिल पिछले 8 दिन से आमरण अनशन पर बैठे बीएस साहू का स्वास्थ्य भी अब बिगड़ने लगा है। 8 दिन से भूख-प्यासे बैठे श्री साहू की हालत बिगड़ने लगी है। इसके बावजूद मंगलवार को धरनास्थल पर लेटे हुए उन्होंने शासन से मांग करते हुए कहा है कि जब तक उनकी मांग पूरी नहीं होगी, उनका अनशन जारी रहेगा।

मांगें मनवाने पीएम मोदी के जन्मदिन पर किया रक्तदान

अभ्यर्थियों ने अपनी मांगें मनवाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर रक्तदान भी किया। करीब 55 से 60 अभ्यर्थियों ने नेताजी सुभाष स्टेडियम में रक्तदान कर राज्य सरकार और गृहमंत्री से उनकी मांगों को जल्द पूरा करने की मांग की है।

....नहीं तो परिवार सहित करेंगे अनशन

अभ्यर्थियों का कहना है कि गृहमंत्री विजय शर्मा द्वारा किए गए वादे पर उन्हें पूरा भरोसा है। गृहमंत्री ने 15 दिनों का आश्वासन दिया है, जो 19 सितंबर को समाप्त होने जा रहा है। इसके बाद भी अगर रिजल्ट जारी नही किया गया तो सभी अभ्यर्थी अपने परिवार सहित आमरण अनशन करेंगे।

11 शहीदों के परिवारों को किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

जय भोले ग्रुप ने इस वर्ष भी देशभक्ति की भावना को सर्वोपरि रखते हुए वीर जवानों के परिवारों का सम्मान समारोह आयोजित किया। पिछले 15 वर्षों से इस आयोजन के तहत समिति पंडाल और गणपति की मूर्ति को नए-नए रूपों में सजाकर श्रद्धांजलि देती आई है। इस वर्ष राजधानी में इस आयोजन को देखने के लिए 40 से 50 हजार लोगों की भीड़ उमड़ी। समिति के अध्यक्ष परमवीर सिंह गौतम, कृष्णा साहू और युवा अध्यक्ष रणवीर सिंह गौतम एवं लक्ष्य साहू ने मिलकर इस वर्ष एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया। 14 तारीख को आयोजित इस कार्यक्रम में उन 11 शहीदों के परिवारों को बुलाया गया, जिन्होंने देश की सुरक्षा के लिए अपनी जान न्योछावर कर दी। समिति के सदस्यों ने कहा, हम उनके दुःख को कम नहीं कर सकते, लेकिन उनका मनोबल अवश्य बढ़ा सकते हैं। यह आयोजन इस बात का प्रमाण है कि हम केवल धार्मिक आयोजनों तक सीमित नहीं, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी भी निभाते हैं। शहीदों के परिवारों के प्रति इस भावपूर्ण सम्मान ने राजधानी में सभी को प्रेरित किया और एक उदाहरण प्रस्तुत किया कि कैसे सामाजिक और धार्मिक आयोजन समाज के विभिन्न पहलुओं को एक साथ ला सकते हैं। स्व. युगल किशोर वर्मा की पत्नी माधुरी वर्मा, भोला राम साहू 10 लोगों की टीम के सर्चिंग ऑपरेशन में नक्सली मुठभेड़ में 3 नक्सली को मारकर यही जीवित बचे। ये घटना 23 मई 2011 को गरियाबंद और ओडिशा बॉर्डर पर हुई थी।

22 को आएंगे पुरी शंकराचार्य, दर्शन दीक्षा और हिंदू राष्ट्र संगोष्ठी में होंगे शामिल

__रायपुर।__ गोवर्धनमठ और पुरी पीठाधीश्वर जगदगुरु शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वती 22 सितंबर को रायपुर आ रहे हैं। वे रांवाभाठा स्थित सुदर्शन संस्थानम में 22 से 26 सितंबर तक आयोजित कार्यक्रम में भाग लेंगे। पुरी शंकराचार्य के आगमन की तैयारी को लेकर मंगलवार को रांवाभाठा स्थित सुदर्शन संस्थान में बैठक आयोजित हुई। शंकराचार्य आश्रम रांवाभाठा में दर्शन दीक्षा और हिंदू राष्ट्र संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। इसी सिलसिले में पुरी पीठाधीश्वर जगदगुरु शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वती 22 सितंबर को राजधानी पधार रहे हैं। 23 को सुबह 8:30 बजे से दर्शन दीक्षा का कार्यक्रम रखा गया है। शाम 5:30 बजे विशाल हिंदू राष्ट्र विषय पर संगोष्ठी होगी।

बिजनेस साइट

एनटीपीसी नवा रायपुर में 'स्वच्छता ही सेवा' की शुरुआत

रायपुर। एनटीपीसी नवा रायपुर में मंगलवार को 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान की शुरुआत हुई। इस अवसर पर कर्मचारियों ने बड़े उत्साह के साथ शपथ ली। पीके मिश्रा और एसके घोष ने क्रमशः हिंदी और अंग्रेजी में शपथ दिलाई। श्री मिश्रा ने स्वच्छता और फिटनेस के महत्व पर जोर देते हुए सभी को अपने इलाके में सकारात्मक बदलाव लाने का आव्हान किया। उन्होंने कहा कि समाज में स्थायी बदलाव लाने के लिए हर व्यक्ति का योगदान महत्वपूर्ण है। इसके साथ ही उन्होंने कार्यालय परिसर में इनडोर खेल सुविधाओं की शुरुआत की।

बालको मेडिकल सेंटर का द्वितीय बीएमसी छत्तीसगढ़ वार्षिक कैंसर कॉन्क्लेव

रायपुर। मध्यभारत में ऑन्कोलॉजी के क्षेत्र में अग्रणी बालको मेडिकल सेंटर (बीएमसी) इस वर्ष द्वितीय बीएमसी छत्तीसगढ़ कैंसर कॉन्क्लेव का आयोजन करेगा। 20 सितंबर को नवा रायपुर में आयोजित इस सम्मेलन की थीम 'चूजिंग वाइजली-2024 - कॉमन सेंस ऑन्कोलॉजी फॉर आउटकम्स दैट मैटर' है, जिसका उद्देश्य मध्यभारत में कैंसर देखभाल की पहुंच और गुणवत्ता को बढ़ाना है। यह सम्मेलन भारत में ई-कैंसर, टाटा मेमोरियल सेंटर, मुंबई और नेशनल कैंसर ग्रिड के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। बीएमसी की चिकित्सा निदेशक डॉ. भावना सिरोही ने कहा कि इस वर्ष की थीम रोगी-केंद्रित दृष्टिकोण पर आधारित है, जो एविडेंस, सस्टेनेबिलिटी और वित्तीय स्थिरता को प्राथमिकता देती है।

आईएसबीएम में ऑनलाइन फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम

रायपुर। आईएसबीएम विश्वविद्यालय 19 से 21 सितंबर तक तीन दिवसीय ऑनलाइन फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का आयोजन कर रहा है। इस कार्यक्रम का विषय 'डेटा एनालिसिस थ्रू ए.आई' होगा। आईएसबीएम के डायरेक्टर जनरल डॉ. जयेंद्र नारंग ने बताया कि इस कार्यक्रम में डॉ. धवल मेहता रिसोर्स पर्सन एवं तीन दिवसीय इस कार्यक्रम के प्रमुख ट्रेनर होंगे। डॉ. इमरान नदीम सिद्दिकी और डॉ. रेशमा श्रीवास्तव को इस कार्यक्रम के फैकल्टी को-आर्डिनेटर के रूप में नियुक्त किया गया है। प्राध्यापक त्रिलोकचंद बाध ने बताया कि कार्यक्रम के सभी सेशन्स की रिकॉर्डिंग की जाएगी और सहभागियों को कार्यक्रम के बाद यह रिकॉर्डिंग तथा सहभागिता प्रमाणपत्र प्रदान किए जाएंगे।

ISBM UNIVERSITY

क्लासिक कैसल में गणपति विसर्जन

रायपुर। क्लासिक ग्रुप के कचना स्थित क्लासिक कैसल में निवासरत परिवार मंगलवार को गणपति विसर्जन में शामिल हुए। गणेश चतुर्थी के अवसर पर क्लासिक कैसल के निवासियों ने अपने घरों में गणपति की स्थापना की थी और मंगलवार को पूरे सोसायटी के सदस्य एकत्रित हुए तथा श्रद्धाभाव के साथ गणपति का विसर्जन किया। इस अवसर पर सामाजिक एकता और धार्मिक उल्लास की का माहौल रहा। विसर्जन के इस कार्यक्रम में सभी सदस्यों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और इसका आयोजन उत्साहपूर्ण रहा।

22 से शुरू होगी गो धर्म ध्वज स्थापना भारत यात्रा, 33 दिन 33 प्रदेश में जाएगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

जगदगुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद होंगे शामिल

गो माता को राष्ट्रमाता घोषित करने और देशभर में गो हत्या बंद करने के आव्हान के साथ 22 सितंबर से 26 अक्टूबर तक गो धर्म ध्वजा स्थापना भारत यात्रा निकाली जायेगी। जगदगुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के निर्देशन और नेतृत्व में यह यात्रा 33 दिन में 33 राज्य पहुंचेगी और वहां एक गो ध्वज की स्थापना की जायेगी। अयोध्या से शुरू होने वाली गो धर्म ध्वजा स्थापना भारत यात्रा का समापन दिल्ली में 7 से 9 नवंबर को आयोजित राष्ट्रव्यापी गो प्रतिष्ठा महासम्मेलन के साथ होगा। यात्रा की पूर्व तैयारी को लेकर संयोजक ब्रम्हचारी मुकुंदानंद, सह-संयोजक विकास पाटनी, शंकराचार्य मठ के प्रभारी डॉ. इंदुभवानंद ने मंगलवार को संयुक्त पत्रकार वार्ता में इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि गो माता को राष्ट्रमाता घोषित कराने और गो हत्या मुक्त भारत बनाने के लिए देश में गो प्रतिष्ठा आंदोलन चलाया जा रहा है। इस आंदोलन का निर्देशन जगदगुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद कर रहे हैं, जिन्होंने 14 मार्च से लेकर 28 मार्च तक नंगे पैर पदयात्रा गोवर्धन से लेकर दिल्ली तक की। उन्हीं के नेतृत्व में 26 हजार किलोमीटर की यात्रा होगी। 7 अक्टूबर को यात्रा छत्तीसगढ़ आएगी। इस मौके पर जगदगुरु शंकराचार्य राजधानी के शंकराचार्य चौक पर ध्वज स्थापित करेंगे। पत्रकारों से चर्चा करते हुए डॉ. इंदुभवानंद महाराज ने बताया कि गो माता की प्रतिष्ठा के लिए यह यात्रा भगवान श्रीराम की राजधानी अयोध्या से शुरू होगी। यहां से यह पूर्व, पश्चिम, दक्षिण, उत्तर होते हुए 26 अक्टूबर को देश की राजधानी दिल्ली में समापन होगा। जगदगुरु शंकराचार्य द्वारा देश के प्रखर गोभक्तों को इस मौके पर सम्मानित किया जायेगा।

हरिभूमि
रायपुर, बुधवार 18 सितंबर 2024
लाइव
Email id- zindgi.live.hb@gmail.com
0771- 4242222, Message at - 9630172937

अनंत चतुर्दशी के अवसर पर घर, मंदिरों व पूजा पंडालों में विराजित प्रतिमा का हवन-अनुष्ठान के बाद विसर्जन करने दोपहर से देर रात तक लोग महादेव घाट पहुंचते रहे। शहर में चारों तरफ गणपति बप्पा मोरया के जयकारों की गूंज रही। विसर्जन में डीजे पर प्रतिबंध का असर पूरे शहर भर में दिखाई दिया। इसके अलावा फिल्मी गानों से भी समितियों ने तौबा की।

लौटी परंपरा... शंख ध्वनि, ढोल-नगाड़ों संग विसर्जन

रायपुर। इस बार भजन ही सुनने को मिले। लोगों ने केवल ढोल-नगाड़े और शंख ध्वनियों के साथ धूमधाम से गणेश जी की प्रतिमा विसर्जन के लिए शोभायात्रा निकाली। बच्चे भी फिल्मी गीतों की जगह भक्ति-भजन में नाचते-गाते हुए तालाब पहुंचे। कई समितियों ने रात के समय झांकियों से सुसज्जित शोभायात्रा निकाली, जो रात 12 बजे तक महादेव घाट पहुंची। भक्तों की भारी भीड़ के बीच गणेश प्रतिमा को वैदिक मंत्रोच्चार संग सजी हुई बग्घी पर आसीन कराया गया। ढोल-नगाड़े और भक्तों के जयकारों से वातावरण भक्तिमय हो गया। पर्यावरण संरक्षण के लिए लोगों ने मिट्टी के गणेश को कहीं घर में गमलों में तो कही पंडाल में अस्थाई कुंड बनाकर विसर्जित किया।

शाम 6 बजे तक चलता रहा हवन क्रम

शहर में समितियों द्वारा पंडालों में स्थापित की गई शाम 6 बजे तक गणेश प्रतिमा के सामने हवन कुंड बनाकर आहुति दी गई। घरों में हवन के बाद कई लोग पास के तालाब में प्रतिमा को लेकर विसर्जन करने पहुंचे। विसर्जन में जल प्रदूषित न हो, इसे लेकर लोग भी सजग दिखाई दिए। इस बार भी बड़ी संख्या में लोगों ने कुंड में मूर्तियों को विसर्जित किया।

नम हुई बच्चों की आंखें

बच्चों ने नम आंखों के साथ बप्पा को अलविदा कहा। विसर्जन से पहले महिला और युवतियों ने भी अपनी मनोकामना भी बप्पा के कान में कही। कई स्थानों से श्रद्धालुओं ने ट्रक, कार, ठेल, स्कूटर, मोटर साइकिल पर तो किसी की गोद में विराजमान कर गणेश जी की विसर्जन यात्रा निकली। महादेव घाट में प्रतिमा के डूबने तक बच्चे नदी किनारे खड़े रहे और नम आंखों से विदाई दी।

संगीता यादव, मैत्रीनगर

सिंध नवयुवक गणेशोत्सव समिति, कटोरा तालाब

श्री श्री गणेशोत्सव समिति, बजरंग चौक, लाभांडी

आदर्श नगर, कुशालपुर

उत्कल गणेशोत्सव समिति, चंगोराभाठा

आस्क पैराडाइज, भाठागांव

साहू परिवार

श्री छत्तीसगढ़ युवा गणेशोत्सव समिति, संजय नगर

श्री शिव शक्ति गणेशोत्सव समिति, सड्डू हाउसिंग बोर्ड

श्री विद्यार्थी गणेशोत्सव समिति, मंडल पारा, कचना

गणेशोत्सव 2024

श्री सिंधु गणेशोत्सव समिति, तेलीबांधा

अश्वनी नगर गणेशोत्सव समिति

महात्मा गांधी गणेशोत्सव समिति, अमलीडीह

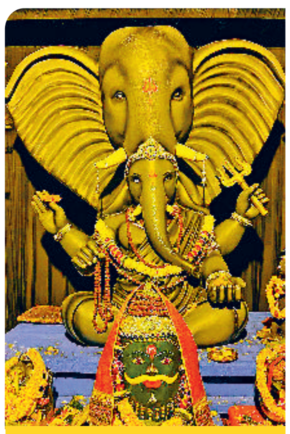
महाकाल परिवार, संतोषी नगर

मां बम्लाई गणेशोत्सव समिति, मठपुरैना

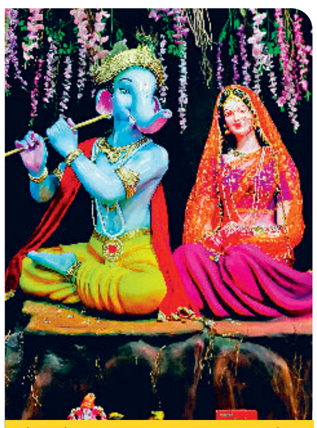
गौरा-गौरी गणेशोत्सव समिति, शंकर चौक

शिव शक्ति गणेशोत्सव समिति अयोध्या नगर, मठपुरैना

श्री अष्टविनायक गणेशोत्सव समिति आरडीए कॉलोनी, टिकरापारा

श्री बजरंग युवा गणेशोत्सव समिति साहू मोहल्ला, टिकरापारा

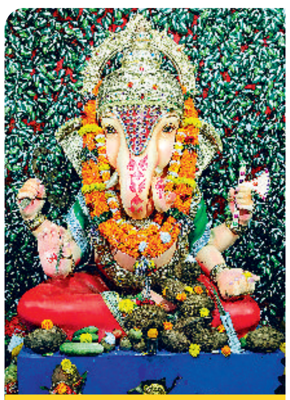
श्री सिद्धि विनायक गणेशोत्सव समिति, संतोषी नगर

गणेशोत्सव समिति, लोहार चौक

गणेशोत्सव समिति, अश्वनी नगर

रॉयल क्लब गणेशोत्सव समिति, गली नं. 6 तेलीबांधा

जयश्री महाकाल गणेशोत्सव समिति, अम्लेश्वर

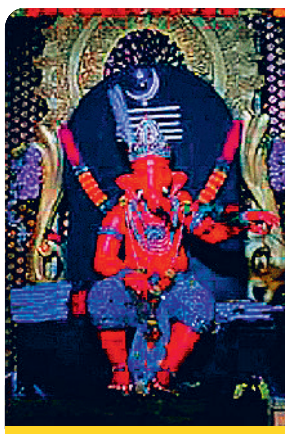
दुर्गा नगर, बिरगांव, वार्ड नंबर-35

शीतला मंदिर गणेशोत्सव समिति, संतोषी नगर

गणेशोत्सव समिति, भीमनगर

नवयुवक श्री सिद्धि विनायक गणेशोत्सव समिति, फुण्डहर

हर पर्व मिलकर मनाते हैं हिंदू और मुस्लिम सदस्य

कौमी एकता की अनूठी मिसाल... विसर्जन से लेकर भंडारे तक में डटे रहे मुस्लिम युवा

कार्नर न्यूज

रायपुर। राजधानी में गणेशोत्सव के मौके पर मुस्लिम समाज के युवा अनोखी मिसाल कायम कर रहे हैं। वे गणपति बप्पा की आराधना से लेकर श्रद्धालुओं को विसर्जन के दिन भोग भंडारा वितरित करने उत्साह के साथ सहयोग करते हैं। पिछले 5 साल से यह कार्य स्वस्फूर्त होकर युवा कर रहे हैं। इन्होंने हिंदू समाज के युवाओं के साथ मिलकर संतोषी नगर तरुण बाजार कौमी एकता गणेशोत्सव समिति भी बनाई है, जिसमें 20 से 25 सदस्य मुस्लिम समाज से हैं। हर बार की तरह इस बार भी सभी ने मिलकर गणेशोत्सव की तैयारियां पूरी की। आयोजन में सभी तरह की जिम्मेदारी भी उनके द्वारा निभाई गई।

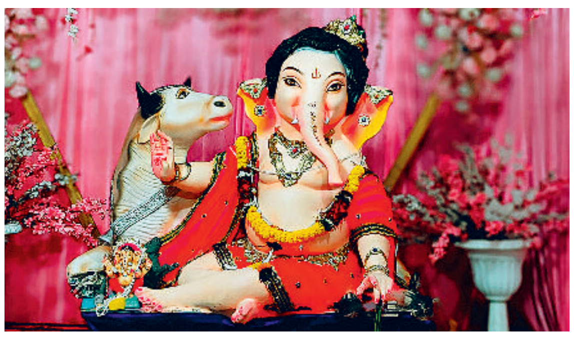

मुस्लिम पर्व में बनते हैं सहभागी

इसी तरह हिंदू समाज के युवा भी अपने साथियों के पर्व त्योहार को मिलकर मनाने का कोई मौका नही छोड़ते। वे मुस्लिम समाज के विभिन्न पर्व-त्योहार में सहभागी बनते हैं। समिति के अध्यक्ष लक्ष्मण कौशल ने बताया कि सभी सदस्य आपस में एक-दूसरे संग पर्व मनाते हैं। हिंदू सदस्य भी मुस्लिम पर्व में अपनी भागीदारी निभाते हैं।

दुर्गा उत्सव सहित अन्य पर्व में भी सहयोग

शहर में सर्वधर्म समभाव को लेकर राजधानी के युवाओं द्वारा पेश की गई इस अनूठी मिसाल की पूरे शहर में चर्चा है। संतोषी नगर तरुण बाजार कौमी एकता युवा गणेशोत्सव समिति में शामिल मुस्लिम समाज के युवा सदस्य हर बार गणेशोत्सव के अलावा दुर्गा उत्सव सहित अन्य पर्व-त्योहार में आवश्यक संसाधन जुटाने के साथ ही श्रद्धालुओं के लिए भंडारा में प्रसाद की व्यवस्था बनाने में अहम भूमिका निभाते हैं। विसर्जन के दौरान समिति के अन्य सदस्यों के साथ वे भी छोटे आकार की गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन करने स्थल पर पहुंचने से नहीं चूकते।

कैंपस लाइव

नवोदय विद्यालय ने बढ़ाई तिथि टेस्ट के लिए आवेदन 23 तक

रायपुर। नवोदय विद्यालय समिति द्वारा आयोजित की जाने वाली जवाहर नवोदय विद्यालय सलेक्शन टेस्ट 2025 के लिए आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ा दी गई है। जो माता-पिता अभी तक किसी कारणवश आवेदन नहीं कर सके हैं, उनके पास अब 23 सितंबर 2024 तक आवेदन प्रक्रिया पूर्ण करने का समय है। अपने बच्चों को नवोदय विद्यालय में प्रवेश के लिए पेरेंट्स ऑफिशियल वेबसाइट navodaya.gov.in पर जाकर ऑनलाइन माध्यम से फॉर्म भर सकते हैं। आवेदन फॉर्म भरने के लिए सबसे पहले ऑफिशियल वेबसाइट पर विजिट करें। संबंधित लिंक में क्लिक करने के बाद मांगी गई जरूरी डिटेल भरकर पंजीकरण कर लें। इसके बाद हस्ताक्षर, फोटोग्राफ आदि अपलोड कर दें।

आवश्यक है सरकारी विद्यालय का छात्र होना

जवाहर नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा में शामिल होने के लिए छात्र का सरकारी अथवा सरकारी सहायता प्राप्त स्कूल में कक्षा 5वीं में अध्ययनरत होना चाहिए। इसके साथ ही छात्र का जन्म 1 मई 2012 से पहले एवं 31 जुलाई 2014 के बाद न हुआ हो। आवेदन से जुड़ी या अन्य किसी प्रकार की समस्या होने पर हेल्प डेस्क नंबर 0120- 2975754 पर संपर्क किया जा सकता है। पात्रता, आयु तथा इससे जुड़ी हुई अन्य जानकारियां जवाहर नवोदय विद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड कर दी गई है।

एजूकेशन अपडेट

केंद्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा दिसंबर में, आवेदन प्रारंभ

रायपुर। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने मंगलवार को केंद्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा के लिए अधिसूचना जारी कर दी है। अधिसूचना जारी होने के साथ ही आवेदन भी शुरू कर दिए गए हैं। उम्मीदवार सीटीईटी दिसंबर 2024 परीक्षा के लिए सीटीईटी की आधिकारिक वेबसाइट ctet.nic.in. के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। सीटीईटी दिसंबर 2024 आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 16 अक्टूबर है। शुल्क जमा करने के लिए भी 16 अक्टूबर तक का समय दिया गया है। परीक्षा एक दिसंबर को दो पालियों में आयोजित की जाएगी। पहली पाली सुबह 9:30 बजे से दोपहर 12 बजे तक आयोजित की जाएगी। वहीं, दूसरी पाली दोपहर 2:30 बजे से शाम 5 बजे तक होगी।

दोनों पेपर के लिए पृथक शुल्क

सीटेट दिसंबर परीक्षा के लिए आवेदन करने वाले सामान्य वर्ग के उम्मीदवारों को एक पेपर के लिए 1,000 रुपए और दोनों पेपरों के लिए 1,200 रुपए का आवेदन शुल्क देना होगा। जबकि, ओबीसी, एससी और विकलांग श्रेणी के उम्मीदवारों को एक पेपर के लिए 500 रुपए और दोनों पेपरों के लिए 600 रुपए का भुगतान करना होगा। सीटीईटी की आधिकारिक वेबसाइट **ctet.nic.in.** पर जाकर आवेदन प्रक्रिया पूर्ण की जा सकती है। सिलेबस, प्रश्नपत्र पैटर्न सहित अन्य जानकारियां भी सीबीएसई ने अपने आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड कर दी है।

समाज इवेंट

पर्यावरण बचाने महिलाओं ने रोपे फलदार वृक्ष, रक्षा का संकल्प

रायपुर। श्रीवांशा फाउंडेशन द्वारा विश्वकर्मा जयंती के अवसर पर बीटीआई शंकर नगर शाला परिसर में वृक्षारोपण किया गया। इस कार्य में शाला के बच्चों ने पूरे उत्साह के साथ हिस्सा लिया एवं शिक्षकों का भी सहयोग मिला। 61 वृक्ष रोपकर प्रकृति की सेवा करने का संकल्प सभी द्वारा लिया गया। इसमें फलदार एवं छायादार वृक्ष सम्मिलित थे। सभी बच्चों को पर्यावरण से संबंधित जानकारी दी गई। वृक्ष क्यों जरूरी है एवं शहरीकरण में वृक्षों की कमी से क्या नुकसान हो रहे हैं, यह भी बताया गया। आने वाले कुछ समय में इसी परिसर में 101 फलदार वृक्ष रोपित किए जाने का भी संकल्प लिया गया।

साहू सामाज करेगा झांकियों का सम्मा

छत्तीसगढ़ प्रदेश साहू संघ के युवा प्रकोष्ठ द्वारा 19 सितंबर को गणपति विसर्जन शोभायात्रा पर सम्मान समारोह का आयोजन किया जा रहा है। गणपति विसर्जन शोभायात्रा के दौरान उत्तम झांकी को सम्मानित किया जाएगा। शहर स्थित मालवीय रोड जवाहर बाजार के पास प्रदेश साहू संघ द्वारा मंच तैयार किया जाएगा। इस अवसर पर लोकगायिका आरु साहू द्वारा प्रस्तुति दी जाएगी। झांकी में शामिल होने वाले भक्तों के लिए भी उचित व्यवस्थाएं समाज द्वारा की जाएंगी। इसके लिए तैयारी प्रारंभ कर दी गई है।

विश्व बांस दिवस आज : प्लास्टिक की जगह बांस से बनी वस्तुओं का ट्रेंड

तोहफा देने इंडोर प्लांट में बैंबू शीर्ष पर, इसमें न्यूटन्स बोतल, रोपा, नाइजेसिया, वेरीगेटेड जैसी कई प्रजातियां

प्राचीन काल से बांस से तैयार वस्तुएं भारत सहित अन्य देशों में भी उपयोग की जाती रही हैं। कलाकारों द्वारा बांस से कई उपयोगी वस्तुओं का निर्माण किया जा रहा है। बीते कुछ सालों में बांस के प्रति लोगों में जागरुकता बढ़ाने के मुख्य उद्देश्य से देश-विदेश में मुहिम चलाई गई। इसके अंतर्गत 18 सितंबर को 'विश्व बांस दिवस' के रुप में घोषित किया गया।

बांस की खरीदी में इजाफा

एक अन्य नर्सरी संचालक सूरज चन्द्राकर ने बताया, कोरोना काल के बाद से बांस के पौधे व बांस की खरीदी अधिक संख्या में की जा रही है। इसमें बांस के पौधे सजावट के लिए उपयोग में लाए जाते हैं। कुछ दुकान संचालक इसे बेचने के उद्देश्य से भी खरीद रहे हैं। छत्तीसगढ़ में परंपरागत वस्तुएं जैसे-पर्रा, सुपा, टोकरी आदि तैयार करने के लिए बांस का प्रयोग किया जाता है। साथ ही सजावटी वस्तुएं तैयार करने में भी इसका प्रयोग किया जाता रहा है। बांस के छोटे पौधे की कीमत 60 रुपए से शुरु है, वहीं बांस की कीमत 200 रुपए से अधिक तय है। बीते 3-4 सालों में इसकी खरीदी पहले के मुकाबले 60 प्रतिशत अधिक हो रही है।

रायपुर। शहर के दुकानों से लेकर मेला के स्टॉल में बांस से तैयार वस्तुएं सजाई जाती हैं, जिन्हें खरीदारों द्वारा अधिक दाम देकर भी खरीदा जा रहा है। कलाकरों बांस के छोटे से टुकड़े को भी आकर्षक रुप से तैयार कर रहे हैं। इससे निर्मित बड़े आकार की वस्तुओं में भी कलाकारी देखने को मिल रही है। बीते 7-8 सालों में बांस उत्पादन व खरीदी के उतार-चढ़ाव को देखते हुए, केंद्र व राज्य सरकार द्वारा कई योजनाओं की शुरुआत की गई। इसमें मुख्यमंत्री बांस विकास योजना, बांस प्रसंस्करण इकाई योजना, पुर्नगठित राष्ट्रय बांस मिशन योजना पर

कार्य किया गया। इसमें शहर व देश वासियों को बांस की खरीदी-बिक्री व खेती के प्रति जागरुक किया गया। प्रदेश में वन विभाग द्वारा बस्तर स्थित क्षेत्र में बांस की विभिन्न प्रजातियों की खेती की गई। इन सबका भी प्रभाव मार्केट पर दिख रहा है। बीते कुछ सालों में उपहार देने का ट्रेंड बदला है। इंडोर प्लांट के अंतर्गत विशेष रुप से व्यक्तियों को बांस का पौधा उपहार स्वरुप दिए जा रहे हैं। इसकी देखरेख अधिक करने की आवश्यकता नहीं होती। इसका लुक भी अन्य इंडोर प्लांट की तुलना में बेहतर होता है। इस कारण भी लोग इसे प्राथमिकता देने लगे हैं।

खरीदारों की पहली पसंद बोतल बैंबू

एक नर्सरी संचालक निर्मल सोनी ने बताया, बांस की देख-रेख में अधिक समस्या नहीं होती। कुछ साल पहले अन्य राज्यों से बांस का पौधा मंगाया जाता था। लेकिन अब प्रदेश में ही इसकी खेती शुरु हो गई है, जिसके कारण यह कम दामों पर उपलब्ध हो रहा है। बदलते वक्त के साथ खरीदारों की डिमांड में भी बदलाव देखा जा सकता है। नर्सरी में छोटे बांस के पौधे की खरीदी बड़ी संख्या में की जाती है, जिसे उपहार व सजावट के लिए लोग खरीदना पसंद कर रहे हैं। इसकी कीमत आकार व बांस के प्रकार अनुसार तय की जाती है। इसकी कीमत 50 रुपए से शुरु है। वर्तमान में नर्सरी में न्यूटन्स, बोतल बैंबू, रोपा, नाइजेसिया, वेरीगेटेड, बैंबूसा बांस की प्रजाति मौजूद है। इसमें बोतल बैंबू की खरीदी अधिक संख्या में किया जाता है।

माशिम ने दूसरी बार ली दसवीं की परीक्षा, 43722 हुए शामिल, 15.19% ही उत्तीर्ण, लड़कियां आगे

17.74% बालिकाएं तथा 12.80 % बालक उत्तीर्ण

रायपुर। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा आयोजित हाईस्कूल सर्टिफिकेट द्वितीय मुख्य/अवसर परीक्षा के परिणाम घोषित कर दिए गए हैं। माशिम द्वारा मौजूदा सत्र से पहली बार वर्ष में दो बार परीक्षाओं का आयोजन किया जा रहा है। बारहवीं कक्षा की द्वितीय अवसर परीक्षा के परिणाम बीते सप्ताह जारी किए गए थे। दसवीं के परिणाम मंगलवार को जारी किए गए। इस परीक्षा में 45 हजार 850 परीक्षार्थी पंजीकृत हुए। आवेदन करने वाले छात्रों में से 43,722 परीक्षार्थी ही परीक्षा में सम्मिलित हुए। परीक्षा दिलाने वाले छात्रों में 22,581 बालक तथा 21,141 बालिकाएं रहीं, जिनमें से 43,713 परीक्षार्थियों के परीक्षा परिणाम घोषित किए गए हैं। घोषित परीक्षा परिणाम में से उत्तीर्ण परीक्षार्थियों की संख्या 6 हजार 642 है अर्थात 15.19 प्रतिशत परीक्षार्थी ही उतीर्ण हो सके हैं। उत्तीर्ण होने वाली बालिकाओं का प्रतिशत 17.74 तथा बालकों का प्रतिशत 12.80 है।

प्रथम श्रेणी में मात्र 1.87 प्रतिशत छात्र

परीक्षा परिणाम घोषित परीक्षार्थियों में प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण परीक्षार्थियों की संख्या 820 अर्थात मात्र 1.87 प्रतिशत है। द्वितीय श्रेणी में उतीर्ण परीक्षार्थियों की संख्या 5 हजार 136 (11.74 प्रतिशत) है। तृतीय श्रेणी में उत्तीर्ण परीक्षार्पियों की संख्या 686 अर्थात 1.57 प्रतिशत है। 4 परीक्षार्थी के परिणाम नकल प्रकरण एवं 5 परीक्षार्थी के परीक्षा परिणाम जांच की श्रेणी में रोके गए हैं। परीक्षा परिणाम छतीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंल की वेबसाइट **https://www.cgbse.nic.in** पर उपलब्ध हैं। छात्र अपना रोल नंबर प्रविष्ट कर परीक्षा परिणाम देख सकते हैं।

वन रक्षक भर्ती के प्रवेशपत्र जारी, केंद्र केवल रायपुर व बिलासपुर में

व्यावसायिक परीक्षा मंडल द्वारा वन रक्षक भर्ती परीक्षा के प्रवेश पत्र जारी कर दिए गए हैं। व्यापम द्वारा यह परीक्षा 22 सितंबर को आयोजित की जाएगी। इसके लिए प्रवेश पत्र 16 सितंबर से अपलोड कर दिए हैं। कैंडिडेट्स इसे परीक्षा पूर्व तक व्यापम की वेबसाइट से डाउनलोड कर सकेंगे। हेल्पलाइन नंबर भी व्यापम ने जारी कर दिए हैं। परीक्षा केंद्र सहित अन्य तरह की समस्या होने पर हेल्पलाइन नंबर पर संपर्क कर सकते हैं। केवल रायपुर और बिलासपुर में ही इस परीक्षा के लिए केंद्र बनाए गए हैं। परीक्षा के दिशा-निर्देश तथा इससे संबंधित विस्तृत जानकारी व्यापम की आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड कर दी गई है।

धार्मिक और कट्टर होने में अंतर लोगों को उलझाती है कट्टरता

जैन दादाबाड़ी में चातुर्मासिक प्रवचन के अंतर्गत विराग मुनि ने कहा

रायपुर। किसी की प्रशंसा सोच-समझकर करें। अगर व्यक्ति अपनी प्रशंसा पचा नहीं पाएगा, तो उसमें अहंकार आएगा। यही अहंकार उसके पतन का कारण बनेगा। भगवान महावीर जब मरीचि के भव में थे, तब उनके साथ भी यही हुआ। भरतजी द्वारा की गई प्रशंसा ने उनमें अहम पैदा कर दिया। इस वजह से तीर्थंकर बनने वाली आत्मा को भी नाना प्रकार के कष्ट सहने पड़े थे। चातुर्मास के अंतर्गत जैन दादाबाड़ीह में विराग मुनि ने ये बातें कही। उन्होंने कहा कि धार्मिक क्रियाओं या धर्म की कोई निंदा करता है तो शक्ति अनुसार उसका विरोध करें। कई बार लोग संबंध निभाने के चक्कर में चापलूसी करने लगते हैं। गलत का विरोध नहीं करते। यहां तो संबंध निभा लेंगे पर परमात्मा से संबंध बिगड़ जाएगा। धर्म के प्रति अडिग रहें।

दूसरों को सुधारना छोड़िए

आगे कहा कि अचानक विरोध करना छोड़ देंगे तो आप ही गलत कहलाएंगे। इससे धर्म की निंदा होगी। यहां धार्मिक होने का मतलब कट्टरता से बिलकुल नहीं है। गलत क्या है और सही क्या? इतना तय करने का विवेक तो आप में होना ही चाहिए। कट्टरता लोगों को उलझाती है। हमें सुलझकर रहना है। आज समाज की एक सच्चाई ये भी है कि कोई अच्छा काम करे तो लोग उसे पचा नहीं पाते। उसके अवगुण निकालने लगते हैं। इस काल यह विचित्र प्रभाव है। हर व्यक्ति पतन की ओर बढ़ रहा है। अपना कल्याण कब होगा? इसका कुछ पता नहीं। सब दूसरों को देखने में लगे हैं। दूसरों को सुधारना छोड़िए। खुद सुधरिए।

नया चलन : सामान्य रंगोली के इतर अन्य तरीके की रंगोली बनाने खास कक्षाएं

कार्नर न्यूज

रंगोली सीखने अब लग रही कक्षाएं, इसमें थ्रीडी तकनीक से लेकर हाइपर रियलिस्टिक, श्याम-श्वेत जैसी कलाकृतियों का प्रशिक्षण

रायपुर। पितृ पक्ष के बाद त्योहारों का सिलसिला प्रारंभ हो जाएगा। इसके लिए लोगों ने तैयारियां भी प्रारंभ कर दी है। रंगोली को लेकर पिछले कुछ सालों में लोगों में दिलचस्पी बढ़ी है। पहले की तरह पर्व में घरों के आंगन में रंगोली सजाई जाने लगी है। इसके लिए जहां कुछ लोग रंगोली कलाकार हायर करते हैं तो वहीं कई युवतियां विशेष तौर पर प्रशिक्षण प्राप्त कर रही हैं, ताकि वे विभिन्न तरह की रंगोली स्वयं ही तैयार कर सकें। दीपावली पर्व से पूर्व ही शहर में रंगोली कलाकारों द्वारा प्रशिक्षण कार्य शुरु हो गया है। जिसमें कला केंद्र परिसर स्थित एक निजी इंस्टिट्यूट में रंगोली के लिए विशेष कक्षाएं संचालित की जा रही हैं। इंस्टिट्यूट के संचालक प्रमोद साहू ने बताया, वर्तमान में रंगोली कलाकारों की डिमांड तेजी से बढ़ी है। साल के सबसे बड़े पर्व दीपावली के अवसर पर रंगोली कलाकारों की डिमांड सबसे अधिक होती है, जिसके कारण वर्कशॉप का आयोजन किया जा रहा है। इसमें कई व्यावसायिक दृष्टिकोण से प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं तो कई घरों में रंगोली सजाने के लिए प्रशिक्षण ले रहे हैं। तीन सप्ताह से लेकर 2 माह तक की वर्कशॉप आयोजित की जा रही है।

थ्रीडी और हाइपर रियलिस्टिक रंगोली

रंगोली वर्कशॉप में प्रतिभागियों को थ्रीडी और हाइपर रियलिस्टिक रंगोली की बारिकियों को समझाया जा रहा है। ये कक्षाएं प्रोफेश्नल रंगोली आर्टिस्ट द्वारा ली जा रही हैं, जिसमें रोजाना रंगोली तैयार करने के बारीक बिन्दुओं पर जोर दिया जा रहा। इन कक्षाओं की शुरुआती फीस 10 हजार रूपए से प्रारंभ है। वर्कशॉप में हाइपर रियलिस्टिक रंगोली में किसी व्यक्ति का चेहरा, आंख, कान को बनाने की टेक्निक सिखायी जा रही है।

रंगोली सीखने जुनून, दूसरे जिलों से आ रहे छात्र

अन्य जिलों में इस तरह की कक्षाओं का ट्रेंड अभी शुरु नहीं हुआ है। ऐसे में रंगोली की बारीकियां सीखने के लिए वे दूसरे जिलों से रायपुर आ रहे हैं। एक रंगोली कक्षा के प्रतिभागी कृष्णकांत साहू ने बताया, मैं कवर्धा जिले का निवासी हूं। थ्रीडी और हाइपर रियलिस्टिक रंगोली तैयार करने के टिप्स की जानकारी के लिए वर्कशॉप में शामिल हुआ। बचपन से आर्ट फिल्ड में रुचि रही, जिसके कारण प्रोफेशनल ढंग से रंगोली बनाने के विषय में सोचा। रंगोली ट्रेनिंग में कई बारीक जानकारी मिल रही। जिसमें ब्लैक एंड व्हाइट रंगोली तैयार करना सिखाया जा रहा है।

नेपाल में होगी इंटरनेशल वर्कशॉप

रंगोली कलाकार शिवा मानिकपूरी ने बताया, वर्तमान में किसी वर्कशॉप की योजना नहीं है। लेकिन प्रतिभागियों की डिमांड पर शुरु करने की योजना है। जिसमें वह विभिन्न प्रकार के रंगोली के टिप्स सीख सकते हैं। बीते 1 माह के बाद नेपाल में इंटरनेशनल वर्कशॉप की तैयारी की जा रही है, जिसमें नेपाल और भारत के कलाकारों द्वारा प्रदर्शनी व वर्कशॉप का आयोजन किया जाएगा।

सिटी स्पोर्ट्स

मध्यप्रदेश ने छत्तीसगढ़ को हराया, अजय की शानदार पारी

रायपुर। कर्नाटक स्टेट क्रिकेट संघ की ओर से डॉ. (कैप्टन) के. थिम्मापिय्या मेमोरियल क्रिकेट टुर्नामेंट 2024-25 का आयोजन 4 सितंबर से जारी है। जिसमें छत्तीसगढ़ की सीनियर टीम का तीसरा मैच (14 -17 सितंबर) बैगलूरु, कर्नाटक में मध्यप्रदेश के विरुद्ध खेला गया। चौथे और आखिरी दिन मध्यप्रदेश ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। मध्यप्रदेश ने पहले बल्लेबाजी करते हुये अपनी पहली पारी में 116.4 ओवरों में 10 विकेट खोकर 360 रन बनाए। मध्यप्रदेश की ओर से शुभम शर्मा ने 97 रन, कप्तान हरप्रीत सिंह ने 80 तथा कनिष्क दुबे ने 63 रनों की पारी खेली तथा अपनी टीम को खराब शुरुवात से उबारा तथा टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुचांने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। वहीं छत्तीसगढ़ की ओर से रवि किरण ने 24 ओवरों में 65 रन देकर 7 विकेट प्राप्त किए। उनके अतिरिक्त अजय मंडल ने भी 2 विकेट प्राप्त किये। छत्तीसगढ ने अपनी पहली पारी में 63.5 ओवरों में 10 विकेट खोकर 164 रन बनाये। छत्तीसगढ की ओर से ऋशभ तिवारी ने 65 रनों का योगदान दिया। वहीं मध्यप्रदेश की ओर से कुलवंत ने 5 तथा शुभम ने 3 विकेट प्राप्त किये। मध्यप्रदेश ने अपनी दूसरी पारी में 52.4 ओवरों में 10 विकेट खोकर 169 रन बनाये।

मध्यप्रदेश की ओर से सागर सोलंकी ने 77 रन तथा आर्यन पांडे ने 30 रन बनाये। छत्तीसगढ की ओर से अजय मंडल ने 5 विकेट, रवि किरण तथा सानिध्य हुरकत ने 2-2 विकेट प्राप्त किये। लक्ष्य का पीछा करने उतरी छत्तीसगढ की टीम अपनी दूसरी पारी में 65.3 ओवरों में 9 विकेट पर 136 रन ही बना सकी। छत्तीसगढ की ओर से अजय मंडल ने 41 रन तथा आशुतोष सिंह ने 24 रनों का योगदान दिया। वहीं मध्य प्रदेश की ओर से कुमार कार्तिकेय तथा सागर सोलंकी ने 3-3 विकेट लिये। मध्यप्रदेश ने मैच 229 रनों से जीत लिया।

मेडिकल कॉलेज स्टूडेंट्स ने दिखाए क्रिकेट में हुनर

रायपुर। पंडित जवाहरलाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय रायपुर में तीन दिवसीय जे. एन. एम. प्रीमियर लीग क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन शुक्रवार 13 सितंबर से रविवार 15 सितंबर किया गया। प्रतियोगिता में बालक वर्ग के अंडर ग्रेजुएट, पोस्ट ग्रेजुएट, इंटर्न व संकाय सदस्यों की कुल आठ टीमों ने भाग लिया। उद्घाटन डॉ. आशीष सिन्हा विभागाध्यक्ष, कम्युनिटी मेडिसिन विभाग के सान्निध्य में संपन्न हुआ। प्रतियोगिता लीग कम नॉक आउट के आधार पर खेली गई। लीग राउंड के बाद मेलिगनेंट इलेवन, इनविसिबल नाइट, ऑर्गनाइजर इलेवन, रेजिंग रिबेल ने सेमीफाइनल में जगह बनाई। प्रथम सेमीफाइनल इनविसिबल नाइट और ऑर्गनाइजर इलेवन के मध्य खेला गया जिसमें ऑर्गनाइजर इलेवन विजयी रहा। दूसरा सेमीफाइनल मेलिगनेंट इलेवन व रेजिंग रिबेल के मध्य खेला गया जिसमें रेजिंग रिबेल विजयी हुआ। फाइनल मैच ऑर्गनाइजर इलेवन व रेजिंग रिबेल के मध्य खेला गया। रेजिंग रिबेल ने टॉस जीतकर पहले बॉलिंग का निर्णय लिया। ऑर्गनाइजर इलेवन ने पहले बल्लेबाजी करते हुए नौ विकेट के नुकसान में एक सौ सत्ताइस रन बनाए। जवाब में रेजिंग रिबेल सत्तावन रन पर ऑल आउट हो गई। विजेता टीम की ओर से संस्कार गुप्ता ने छह विकेट चटकाए, शेर सिंह और भरत ने भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया, रेजिंग रिबेल के हिमांशु दुबे का प्रदर्शन सराहनीय रहा। मैन ऑफ द टूर्नामेंट भरत, ऑरेंज कैप डॉ. आयुष पटेल को एवं परपल कैप संस्कार गुप्ता को प्रदान किया गया। फाइनल मैच के अतिथि डॉ. अरविंद नेरल, प्रोफेसर एंड हेड पैथालॉजी विभाग, डॉ. अजय हलवाई एसोसिएट प्रोफेसर फार्मकोलोजी विभाग और डॉ. कुशल चक्रवर्ती असिस्टेंट प्रोफेसर एनाटॉमी विभाग थे। पुरस्कार वितरण समारोह के मुख्य अतिथि एवं चिकित्सा छात्रसंघ के चेयरमेन डॉ. अरविंद नेरल ने विजेताओं को बधाई दी। तीन दिवसीय इस पूरे आयोजन में इलेक्ट्रॉनिक स्कोरिंग सिस्टम, अंपायरिंग और कमेंट्री उच्च स्तरीय रही। प्रतियोगिता के दौरान डॉ .सुधीर राजपाल स्पोर्ट्स ऑफिसर, समस्त प्राध्यापक, अधिकारी, कर्मचारी व भारी संख्या में छात्र- छात्राएं उपस्थित रहे। संपूर्ण प्रतियोगिता के आयोजन में शेर सिंह, संस्कार गुप्ता, भरत एवं विष्णु का योगदान सराहनीय रहा।

अचानक घबराहट और चिंता की यह समस्या अब आम हो चली

हार्ट अटैक से मिलते-जुलते होते हैं पैनिक अटैक के लक्षण, जानिए राहत के लिए कुछ जरूरी उपाय

आपने भी कई लोगों को पैनिक अटैक की समस्या से परेशान देखा होगा। अचानक घबराहट और चिंता की ये समस्या भय की शारीरिक संवेदनाओं का कारण बनती है। इस स्थिति में दिल की धड़कनों के तेज होने, सांस लेने में तकलीफ होने, चक्कर आने, कंपकंपी और मांसपेशियों में दर्द की दिक्कत हो सकती है। पैनिक अटैक अक्सर अप्रत्याशित रूप से होते हैं और अक्सर किसी बाहरी खतरे से संबंधित नहीं होते हैं। पैनिक अटैक की स्थिति में आपको ऐसा लग सकता है जैसे आप शरीर से नियंत्रण खो रहे हैं या आपको हार्ट अटैक हो रहा है।

कई लोगों को अपने जीवनकाल में एक या दो बार पैनिक अटैक हो सकता है हालांकि ज्यादातर मामलों में ये अपने आप ठीक भी हो जाता है। लेकिन अगर आपको बार-बार, अप्रत्याशित रूप से ये समस्या हो रही है तो इस बारे में किसी विशेषज्ञ से सलाह जरूर ले लेनी चाहिए। कुछ स्थितियों में ये मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं के जोखिम के कारण भी हो सकती है।

पैनिक अटैक में और क्या होते हैं लक्षण?

पैनिक अटैक के लक्षण आमतौर पर बिना किसी चेतावनी के अचानक शुरू होते हैं। पैनिक अटैक की सबसे गंभीर दिक्कत ये है कि इसमें लोगों को लगता है उन्हें हार्ट अटैक आ रहा है। पैनिक अटैक की स्थिति में आपको कुछ और तरह की दिक्कतें हो सकती हैं, जिसको लेकर सभी लोगों को गंभीरता से ध्यान देने की जरूरत है।

हार्ट अटैक जैसे लक्षण पर, ये अलग समस्या है

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, पैनिक अटैक की समस्या में ज्यादातर लक्षण हार्ट अटैक जैसे हो सकते हैं, हालांकि स्थिति का समय पर सही निदान किया जाना आवश्यक माना जाता है। पैनिक अटैक आमतौर पर बिना किसी चेतावनी के अचानक शुरू हो सकता है। पैनिक अटैक कम होने के बाद आप थका हुआ महसूस कर सकते हैं।हार्ट अटैक की ही तरह पैनिक अटैक के कारण भी आपका ब्लड प्रेशर बढ़ सकता है, पसीने की समस्या होने लगती है, मितली और छाती में दर्द का भी अनुभव होता रह सकता है। ऐसे ही लक्षण हार्ट अटैक के भी माने जाते रहे हैं।

वास्तु यंत्र घर पर रखना हो तो जानें तरीका

वास्तु के अनुसार वास्तु यंत्र की घर में स्थापना करना काफी अच्छा माना जाता है। यह एक छोटा सा यंत्र है, जो आपके घर में पॉजिटिविटी को बनाए रखने में मदद करता है। ऐसा माना जाता है कि जिस घर में वास्तु यंत्र में रखा जाता है, वहां पर लोगों को सिर्फ धनलाभ ही नहीं होता है, बल्कि परिवार में ढेरों खुशियां आती है।
हालांकि, इसे घर में रखने का अपना एक तरीका होता है। वास्तुशास्त्री डॉ. आनंद भारद्वाज बता रहे हैं कि घर में वास्तु यंत्र रखते समय आपको किन बातों का ध्यान रखना चाहिए-
वास्तु यंत्र को रखने के नियम जानने से पहले आपको यह अवश्य जान लेना चाहिए कि यह वास्तव में क्या है। दरअसल, वास्तुयंत्र एक छोटा सा यंत्र है, जिसे लोग अपने घर में रखते हैं। यह एक चौकोर आकार का यंत्र होता है, जो अष्टधातु से बना होता है। ऐसा माना जाता है कि इसे घर में रखने से घर की नेगेटिव एनर्जी दूर होती है। जिससे घर में खुशहाली आती है।

ईशान कोण में रखें वास्तु यंत्र

जब आप अपने घर में वास्तु यंत्र रखते हैं तो आपको दिशा व स्थान का खासतौर पर ख्याल रखना चाहिए। वास्तु यंत्र के लिए ईशान कोण अर्थात पूर्व-उत्तर की दिशा सबसे अच्छी मानी गई है। हालांकि, अगर आप चाहें तो वास्तु यंत्र को पूजा स्थान में या फिर भगवान की फोटो के करीब भी रख सकते हैं।

धातु पर दें ध्यान

आजकल वास्तु यंत्र कई अलग-अलग धातुओं पर उकेरे जाते हैं। आप चांदी, सोने, ताम्रपत्र या क्रिस्टल का वास्तु यंत्र इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके अलावा, पीतल का वास्तु यंत्र भी घर में रखा जा सकता है। लेकिन कभी भी लोहे या पत्थर पर वास्तु यंत्र अंकित ना करें।

अरोमा योग करने से रहेंगे आप तंदुरुस्त

योग हमारे सेहत के लिए काफी फायदेमंद है। यूं कहें कि रोग आपको निरोग रख सकता है। ये ना सिर्फ शरीर की मांसपेशियों को आराम पहुंचाता है बल्कि हमारे मन मस्तिष्क को भी शांत रखने में मदद करता है। कुल मिलाकर शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए योग काफी जरूरी है। योग के अपने-अपने प्रकार हैं। कुछ से आप वाकिफ होंगे तो कुछ के बारे में जानकारी नहीं होगी।

आज हम आपको योग के एक ऐसे फॉर्म के बारे में जानकारी दे रहे हैं जिसके बारे में शायद ही लोगों को मालूमात होगी। हम बात कर रहे हैं अरोमा योग के बारे में। आइए एक्सपर्ट से जानते हैं अरोमा योग के फायदे। इस बारे में पीएसआरआई अस्पताल के कंसल्टेंट साइकेट्रिस्ट परमजीत सिंह जानकारी दे रहे हैं।

क्या होता है अरोमा योग

अरोमा का साफ मतलब खुशबू होता है,यानी खुशबू या सुगंध के साथ योग करना। ये दो विधियों का संगम है। योग के वक्त अरोमा ऑयल्स या किसी तरह की खुशबू, किसी सुगंधित पौधे के रसों का इस्तेमाल किया जाता है जिससे आपके मानसिक स्थिति को सुधारने में मदद मिलती है।

ये इस योग में लैवेंडर, कैमोमाइल, यूकलिप्टस, रोज, या जो भी सुगंधित तेल, खुशबू आपको पसंद है उसका इस्तेमाल किया जा सकता है। आइए जान लेते हैं इस योग को करने का तरीका क्या है और इससे क्या-क्या फायदे मिल सकते हैं।

कैसे करें अरोमा योग

सबसे पहले योग करने के लिए शांत, ठंडी और सुरक्षित जगह का चुनाव करें। यहां आप मैट बिछाकर वज्रासन में बैठ जाएं। अब आप अपना पसंदीदा अरोमा तेल चुने,जैसे लैवेंडर, कैमोमाइल, यूकलिप्टस आप अरोमा तेल को डिफ्यूजर में डाल कर अपने पास रख सकते हैं या फिर तेल की कुछ बूंदें अपने हाथों में लगाएं। अगर आपके पास तेल नहीं है तो खुशबू वाली मोमबत्ती का इस्तेमाल करें। अब प्राणायाम करें। बैठें और गहरी सांस लेने की कोशिश करें। अब सुगंध के साथ खुद को एक स्थिति में लाने का प्रयास करें। ध्यान के बाद धीरे-धीरे अपनी आंखों को आराम से खोलें। आपको शांति और खुशी (इन तरीकों से लाइफ में ला सकते हैं खुशियां) का एहसास होगा।

अरोमा योग के फायदे

अगर आपको मन बेचैन रहता है तो आप इस अभ्यास से अपने मन को एक स्थिर और शांत स्थिति में ले जा सकते हैं जिससे मानसिक (मेंटल हेल्थ को इस ट्रिक से करें मजबूत) चिंता और तनाव कम हो सकता है। इस योग से आपको नींद की समस्या दूर करने में मदद मिल सकती है। ये आपको अच्छी नींद प्राप्त करने में मदद कर सकता है।

रायपुर बाजार
Contact For Advertisement 6263818152, 8766276107

कृष्णा मोटर्स
VANDE BHARAT THUKRAL
भारत का मजबूत एवं भरोसेमंद ई-रिक्शा
• आसान फायनेंस पर उपलब्ध • न्यूनतम डाऊनपेमेंट में घर ले जाएं
• मिनीमम 100 से 150 किलो. तक माइलेज पाएं
• लो मेंटनेस • चलाने में आसान, प्रदूषण से मुक्ति
• भारत माता चौक, गुढ़ियारी, रायपुर • स्टेशन रोड गुरुद्वारा नीम पेड़ के पास, रायपुर
• करण टेलर्स के पास, गोकुल नगर, रायपुर मो. 9926131523, 9755802331

मैट्रेस 6x6 2300/- सिर्फ
प्रोटेक्टर डबल बेड 700/- सिर्फ
सोफा कमबेड बीन बैग
EP फोम गद्दा चैन कव्हर लगा 3x6=400/-
मैट्रेस 3x6=1100/- 4x6=1500/- सिर्फ
पुराना गद्दा लाये नया ले जाये
Mattress 30 से 50% लेस
रूई गद्दा 220/- रूई गद्दा 700/- (15 किलो 4x6) रूई गद्दा 4x6=600/-
संजय रूई भंडार निराकांरी फर्नीचर के पीछे कांच घर गोडाउन के पास, पंडरी रायपुर 9827976266, 7987918262

ॐ सांई कार्पोरेशन
RICHFORD
हर खरिदि पर निश्चित उपहार
देश की सवारी, रिचफोर्ड हमारी
आकर्षक डील्स पाएँ 50,000/-* तक की बचत पाएँ
टू व्हीलर, थ्री व्हीलर, फोर व्हीलर की एक्सचेंज सुविधा
1 टन कैपेसिटी
कुशालपुर चौक, नियर देवी हॉस्पीटल, रायपुर (छ.ग.)
ब्रांच ऑफिस : JOHN DEERE TRACTORS के बाजू, दुर्ग रोड, पाटन
Mob.: 7722928239

INFOROB
DISCOUNT UPTO 70% OFF
ENROLL NOW
For 1 week Robotics camp (7th Oct-13th Oct)
499 @ 1999
DURGA PUJA SPECIAL ROBOTICS CAMP
Our Certified Courses
1. AI
2. Robotics
3. Python Programming
New Batch starts from 1st Oct
Inforob Education Pvt. Ltd.
D105, First Floor,Priyadarshani Nagar Road, New Rajendra Nagar Raipur, Chhattisgarh
Contact: 8721906433, 70056556145

करन मोटर्स
CITYLIF
मात्र 10,000 रूपये डाऊनपेमेंट में गाड़ी लेकर जाये
ई-रिक्शा
बैटरी चलित ई-रिक्शा एवं ई-लोडर
4 घंटे में गाड़ी फायनेंस करवा कर घर ले जाएं
▪ लिथियम बैटरी की पावर के साथ (सिंगल बैटरी)
▪ 3 साल की वारंटी (मेंटेनेंस फ्री)
▪ ना कोई पानी डालने का झनझट, ना कोई टेंशन
सबसे सस्ता, सबसे अच्छा, सबसे कम कीमत पर सिर्फ करन मोटर्स पर
एक बार चार्ज होने पर 80-130 किमी. चलती जाएं...
करन मोटर्स • स्टेशन रोड गुरूद्वारा के पास, तेलघानी नाका, रायपुर • हिलर्स होटल के पास, राम नगर, रायपुर
मो.: 9826777050, 9584500013

Furniture'sway
अब डायरेक्ट फैक्ट्री से फर्नीचर बनवाएं
वह भी मार्केट से
10 से 30% कम दाम पर
Register now www.furnituresway.com 9826949400, 9826949402

NX MODULAR KITCHEN Galaxy NX
अपने घर का मॉड्युलर किचन बनवाएं
₹55,000 ₹95,000 ₹1,50,000
9977115597, 8319076661
C-4, SECTOR-1, DEVENDRA NAGAR, NEAR CITY CENTER MALL, RAIPUR, 492004
KITCHEN GALAXYNXMODULAR

।। जय जगन्नाथ ।।
ज्योतिष समाधान एवं वास्तु शास्त्री
आचार्य जितेन्द्र मसंद
9200028000, 7770916666
जन्मकुण्डली, वास्तु, वास्तु अनुरूप नक्शा के लिए संपर्क करें
@AcharyaJitendramasand
जगन्नाथ मंदिर के पास, गायत्री नगर, मेन रोड, अंवति विहार, रायपुर (छ.ग.)

पैसा चाहिए ? हमारे पास आइए
(केवल बिजनेस लोन) एजेंट आमंत्रित
न्यूनतम कागजी कार्यवाही
5 हजार से 5 लाख तक बिजनेस लोन
आज लोन लीजिए 100 किश्तों में पटाइये
मोटवानी फायनेंस 93404-44755
गली नं. 03, सिंधी कॉलोनी, तेलीबांधा, रायपुर

आपके विज्ञापन के लिये जगह उपलब्ध है।
संपर्क करें
मो. 6263818152, 7987119756

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

एन्ना ने रचा इतिहास, एमी पुरस्कार में बनीं पहली एशियाई कलाकार

अभिनेत्री एन्ना सवाई ने सर्वश्रेष्ठ ड्रामा अभिनेत्री एमी पुरस्कार जीतने वाली पहली एशियाई कलाकार बनकर इतिहास रच दिया। उन्होंने 'शोगुन' शो में अपनी दमदार उपस्थिति के लिए प्रतिष्ठित ड्रामा सीरीज में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार मिला है। एन्ना ने जेनिफर एनिस्टन, कैरी कून, माया पुरस्कार जीतने के बाद सवाई ने अपनी टीम को धन्यवाद दिया और अपनी मां के प्रति आभार जताया। उन्होंने कहा, 'हमारी कहानी पर विश्वास करने के लिए जॉन लैंडग्राफ और पूरी एफएक्स टीम को धन्यवाद। मुझ पर विश्वास करने और मुझे यह भूमिका देने के लिए जस्टिन और राहेल को धन्यवाद।' उन्होंने आगे कहा, 'अंत में, मेरी टीम को धन्यवाद और मेरे परिवार को धन्यवाद। मां, मैं तुमसे प्यार करती हूं। तुम्हारी वजह से ही मैं यहां हूं। तुमने मुझे धैर्य दिखाया और इसी तरह मैं इसे करने में सक्षम थी। यह उन सभी महिलाओं के लिए है जो किसी चीज की उम्मीद नहीं करती हैं और सभी के लिए एक उदाहरण बनी रहती हैं।' बता दें कि यह सवाई का पहला एमी नामांकन और पहली जीत थी। वैराइटी की रिपोर्ट के अनुसार, 'शोगुन' को इस साल 25 एमी नामांकन मिले, जिससे यह इस साल के एमी की सबसे अधिक नामांकित सीरीज बन गई। यह जेम्स क्लेवेल के 'शोगुन' नाम के उपन्यास पर आधारित है, जो वास्तविक जापानी इतिहास से प्रेरित था। सीरीज में सवाई ने टोडा मारिको की भूमिका निभाई है।

टॉलीवुड

'कार्ती 29 का ऐलान, 'तानाकारन' फेम तमीज संभालेंगे निर्देशन की कमान

रविवार को प्रोडक्शन बैनर ड्रीम वॉरियर पिक्चर्स ने अपनी नई फिल्म की घोषणा की। अभिनेता कार्ती की मुख्य भूमिका वाली इस फिल्म का नाम अस्थायी रूप से 'कार्ती 29' रखा गया है और इसका निर्देशन फिल्म निर्माता तमीज ने किया है, जिन्होंने पहले 'तानकारन' बनाई थी। अभिनेता कार्ती अलग-अलग जॉनर की फिल्मों में हाथ आजमाते नजर आते हैं। इसी कड़ी में अभिनेता ने रविवार को अपनी अगली फिल्म के बारे में एक नई घोषणा की। 'कार्ती 29', 'तानकारन' के बाद तमीज की दूसरी फिल्म है। वहीं, कार्ती के साथ वह पहली बार काम करने जा रहे हैं। 'कार्ती 29' फिल्म का निर्माण ड्रीम वॉरियर पिक्चर्स करेगा। इसके तहत पहले 'थीरन अधिगारम ओन्ड्रू', 'अरुवी', 'कैथी' और 'फरहाना' जैसी फिल्मों का निर्माण किया जा चुका है। एसआर प्रकाशबाबू और एसआर प्रभु फिल्म के निर्माता के रूप में काम करेंगे। यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि कार्ती ने अक्सर इस बैनर के साथ सहयोग किया है और 'थेरन अधिगारम ओन्ड्रू', 'कैथी', 'सुल्तान', 'काशमोरा' और 'जापान' जैसी फिल्में दी हैं। शीर्षक पोस्टर एक मोनोटोन रंग पैलेट में है और एक जहाज को समुद्र के माध्यम से चलते हुए दिखाया गया है। एक पीरियड फिल्म कहे जाने वाले इस प्रोजेक्ट को बड़े पैमाने पर बनाया गया है। 'कार्ती 29' का सह निर्माण आइवी एंटरटेनमेंट और बी4यू मोशन पिक्चर्स द्वारा किया जाएगा, जिसका नेतृत्व ईशान सक्सेना, सुनील शाह और राजा सुब्रमण्यम करेंगे। फिल्म की शूटिंग जल्द ही शुरू होगी। इसे 2025 में रिलीज करने की योजना है। 'कार्थी 29' फिलहाल प्री-प्रोडक्शन चरण में है। 'कार्थी 29' के अन्य कलाकारों और क्रू अपडेट का खुलासा आने वाले दिनों में प्रोडक्शन हाउस द्वारा किया जाएगा।

भोजपुरी

'चिंटू की दुल्हनिया' में यामिनी के साथ इश्क फरमाएंगे चिंटू

भोजपुरी फिल्मों के युवा स्टार प्रदीप पाण्डेय चिंटू की बहुप्रतीक्षित फ़िल्म 'चिंटू की दुल्हनिया' रिलीज के लिए तैयार है। आगामी 20 सितम्बर से यह फ़िल्म सिनेमाघरों में दर्शकों के समक्ष रिलीज की जा रही है। फ़िल्म को बड़े पैमाने पर एकसाथ कई टेरिटरी में रिलीज किया जाएगा। फ़िल्म के ट्रेलर ने अपने रीलीजिंग के कुछ ही घण्टों में इतिहास रचते हुए लम्बे समय तक ट्रेंडिंग में रहने का कीर्तिमान स्थापित किया था। ऐसे में फ़िल्म की रीलीजिंग को लेकर दर्शकों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। पिछले एक लम्बे अरसे से भोजपुरी फिल्में सिनेमाघरों में कुछ खास कमाल नहीं कर पाई हैं, शायद इसकी एक खास वजह फिल्मों में उस तरह का सामाजिक विषयों और मेकिंग में दम नहीं होना भी हो सकता है लेकिन फ़िल्म चिंटू की दुल्हनिया इस परिपाटी को तोड़ने और एक नया इतिहास दोबारा से लिखने को तैयार है। फ़िल्म 'चिंटू की दुल्हनिया' के विषय वस्तु की बात किया जाए तो फ़िल्म में हॉरर सहित हास्य और रोमांस के साथ एक्शन का ट्रायो कॉम्बिनेशन देखने को मिलेगा। फ़िल्म के मेकर्स ने भी अपने स्तर से फ़िल्म को बेहतर बनाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ रखा है, इस फ़िल्म में पुरातन भोजपूरी परम्परा को जीवंत किया गया है, जिसे लम्बे अरसे के बाद दर्शक सिल्वर स्क्रीन पर सामने से अनुभव करेंगे। फ़िल्म में चिंटू के दादाजी के रूप में परिवार के मुखिया का आतंक दिखता है जिनका शासन पूरी फिल्म के दौरान दर्शको को उनकी घर के बुजुर्गों की याद दिलाने को मजबूर करता है। एक पुरातन रूढ़िवादी परम्परा के अंदर पूरी फैमिली को टॉर्चर करती हुई उनकी जिद्द से पूरा परिवार परेशान है लेकिन कोई उनके खिलाफ बोलने की हिम्मत नहीं जुटा पाता।

दो दिशाओं का मेल

फैशन डिजाइनर कुणाल रावल का शो लैम्बोर्गिनी के सहयोग से मुंबई में आयोजित किया गया। 'रेस फॉर सेपरेट्स' शीर्षक के इस कलेक्शन में पूर्व और पश्चिम के प्रभावों का मिश्रण था और ये सभी मौसम के अनुकूल स्टाइल थे। जिसमें कुर्ते, बंद गला और जैकेट शामिल थे। जिन्हें अलग-अलग पहना जा सकता है। कुणाल के इस कलेक्शन को भरपूर तारीफ मिली।

बदलते मौसम में फटने लगे हैं होंठ तो उठाएं यह कदम

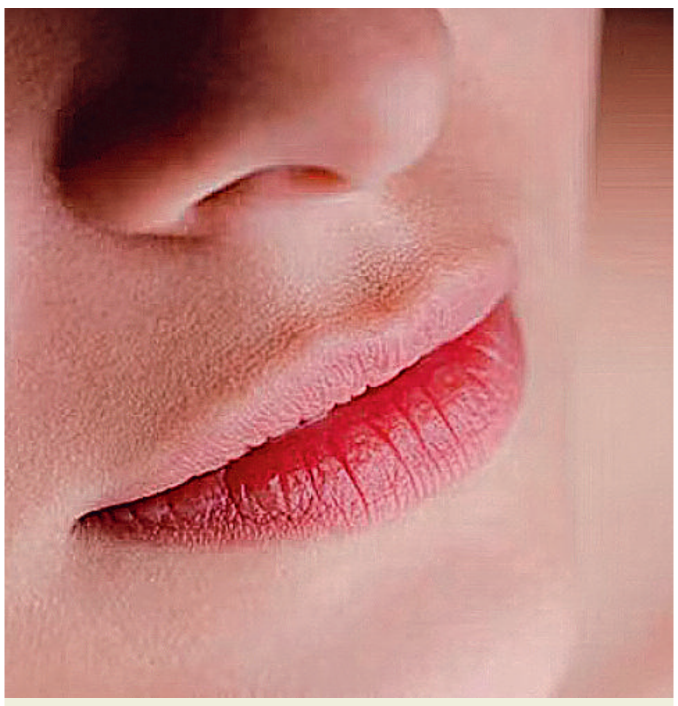

बारिश जा रही है और सर्द मौसम दस्तक देने को है। ऐसे में होंठों को भी त्वचा की ही तरह बदलते मौसम में अतिरिक्त केयर की जरूरत होती है। अगर नारियल के तेल से मिलने वाले फायदों की बात करें तो इसमें ओमेगा-3 होता है जो कि आपकी स्किन में अंदर से नमी को लॉक करता है। इसके साथ ही ये एक तरह के हीलर की तरह काम करता है, जो होंठों के लिए काफी फायदेमंद होता है। अगर आप नारियल के तेल से अपने होंठों पर मसाज करेंगे तो इससे आपको फायदा जरूर मिलेगा। इससे लिए सबसे पहले टूथ ब्रश को गीला करें और हल्के हाथ से होंठों को रगड़ें।

इससे होंठों की डेड स्किन निकल जाएगी।अगर आप जल्दी फटे होंठों से राहत पाना चाहते हैं तो नारियल के तेल में हल्का सा जैतून का तेल मिलाएं। अब इसे आप हर रोज सोने से पहले अपने होंठों पर लगा सकते हैं। जिस तरह ज्यादातर लोग लिप बाम का इस्तेमाल करते हैं, ठीक उसी तरह से आप भी नारियल के तेल को लिप बाम की तरह अपने होंठों पर लगा सकते हैं। इससे आपको फायदा जरूर मिलेगा।

त्यौहारों पर दिखाना है जलवा तो पहन सकती हैं इस तरह की डिजाइनर साड़ियां

त्यौहार हर विवाहित महिला के लिए बेहद खास होता है। भारतीय विवाहित त्यौहारों को मनाना कभी नहीं भूलतीं। अपने हर त्यौहार को खास बनाने के लिए महिलाएं कई श्रृंगार करती हैं और नई-नई साड़ी पहनती हैं। आज कुछ डिजाइनर साड़ी पर बात की जाए। ये सभी साड़ियां आपको आसानी से बाजारों में मिल जाएंगी।

सीक्वेन साड़ी

अगर आप धार्मिक त्यौहारों पर ग्लैमरस दिखना चाहती हैं तो इस तरह की सीक्वेन साड़ी कैरी करें। ये देखने में काफी प्यारी लगती हैं।

सिल्क साड़ी

ससुराल में अगर ये आपका पहला धार्मिक त्यौहार है तो लाल रंग की सिल्क की साड़ी आपके लिए एक बेहतर विकल्प है। ये देखने में बेहद खूबसूरत लगती है।

रफल साड़ी

इस तरह की साड़ी आपको किसी डिजाइनर शोरूम पर ही मिलेगी। ऐसी साड़ियां काफी क्लासी लगती हैं। आप इन्हें ऑनलाइन भी खरीद सकती हैं।

फ्लोरल प्रिंट

अगर आप कुछ सिंपल पहनना चाह रही हैं तो इस तरह की फ्लोरल प्रिंट की साड़ी आपके लिए परफेक्ट है। ये देखने में भी काफी खूबसूरत लगती है।

शिफॉन साड़ी

अगर आपको लाल साड़ी ही पहननी तो हैवी ब्लाउज के साथ इस तरह की शिफॉन की साड़ी आप पहन सकती हैं। इसे पहनकर आपका लुक निखर कर सामने आएगा।

आर्गेंजा साड़ी

इस तरह की साड़ियां काफी हल्की होती है लेकिन इन्हें कैरी करना थोड़ा मुश्किल होता है। दरअसल, इन्हें पहनते वक्त आपको कई पिन की जरूरत पड़ेगी। वरना ये खिसकती रहेगी। ये देखने में काफी क्लासी लगती हैं।

हर लुक में खास आपको दिखाएगी कश्मीरी डिजाइन की ये झुमकियां

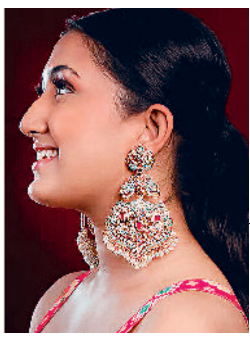

सूट-सलवार से लेकर साड़ी तक के साथ में हम स्टाइलिंग करते समय कई बातों का खासतौर से ध्यान रखते हैं। ऐसे में फैशन के बदलते दौर में रोजाना मार्केट में कुछ न कुछ नया देखने को मिल जाता है। ऐसे में अक्सर हम एवरग्रीन फैशन में रहने वाली चीजें ही स्टाइल करना पसंद करते हैं।

लुक में जान डालने के लिए इयररिंग्स का रोल अहम होता है। इसमें आजकल कश्मीरी डिजाइन की झुमकियां पहनना काफी पसंद किया जा रहा है। तो आइए देखते हैं कश्मीरी झुमकियों की नई डिजाइंस। साथ ही, बताएंगे इन झुमकियों को आकर्षक लुक देने के आसान टिप्स-

पर्ल झुमकी डिजाइन

पर्ल को एवरग्रीन पसंद किया जाता है। इसमें आपको कई सारे डिजाइंस देखने को मिल जाएंगे। वहीं कश्मीरी झुमकी में चेन और झुमकी की लटकन में बड़े साइज का मोती यानी पर्ल लगाया जा सकता है। इसके अलावा बारीक डिजाइन के बीड्स को भी आप झुमकी में लगवा सकती हैं।

मां दुर्गा डिजाइन झुमकी

आप चाहें तो मां दुर्गा के डिजाइन वाले लॉन्ग झुमकी डिजाइन के इयररिंग्स को पहन सकती हैं। इस तरह की झुमकी में आपको टेम्पल ज्वेलरी की तरह दिखने वाले डिजाइन की झुमकी को पहन सकती हैं। मां दुर्गा के अलावा आप राधा-कृष्णा या भगवान राम के डिजाइन वाले इयररिंग्स भी सूट या साड़ी के साथ में पहन सकती हैं।

गोल झुमकी डिजाइन

सिंपल डिजाइन की कश्मीरी झुमकी पहनना चाहती हैं तो इस तरह की चेन वाले डिजाइन को पहन सकती हैं। केवल यह इयररिंग्स पहनने से आपको गले में कुछ भी नेकलेस या चेन को पहनने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

फेस्टिव सीजन के लिए अपनाएं खास लिपस्टिक

फेस्टिवल सीजन में अच्छे-अच्छे कपड़े पहनकर तैयार होना हम सभी को पसंद होता है। इसलिए हम पहले से ही शॉपिंग कर लेते हैं। साथ में पहनने के लिए ट्रेंडिंग ज्वेलरी और मेकअप को भी खरीदते हैं। लेकिन अक्सर हम लिपस्टिक को लेकर कंफ्यूज हो जाते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि हम कभी डार्क शेड लेते हैं, तो कभी लाइट लगाने के बारे में सोचते हैं। अगर आपको भी लिपस्टिक शेड चूज करने में कई बार सोचते हैं, तो ऐसा न करें। आर्टिकल में बताए गए शेड को चूज करें। चलिए बताते हैं फेस्टिवल पर कैसे शेड्स को आप अप्लाई कर सकती हैं।

बोल्ड रेड लिपस्टिक शेड

रेड लिपस्टिक ज्यादातर वो लड़कियां लगाना पसंद करती हैं, जिनका स्किन टोन ब्राइट होता है। ऐसे में यह कलर लगने के बाद अच्छा लगता है। लेकिन अगर हम लाइट कलर के कपड़ों को स्टाइल करते हैं, तो यह शेड सही नहीं लगता है। ऐसे में ग्लॉसी की जगह मैट रेड लिपस्टिक को खरीदें। इसे अपने होंठों पर अप्लाई करें। इसे लगाने से आपके होंठ सुंदर लगेंगे। साथ ही, आपका मेकअप लुक अच्छे से हाइलाइट होता दिखेगा। इस तरह की लिपस्टिक शेड्स को आप दुकान से जाकर खरीदें। साथ ही, इसकी डेट को भी चेक करना न भूलें।

बरगंडी लिपस्टिक शेड

आप लाइट और डार्क हर तरह के आउटफिट के साथ बरगंडी लिपस्टिक शेड को अप्लाई कर सकती हैं। इस तरह की लिपस्टिक लगने के बाद अच्छी लगती है। साथ ही, बोल्ड लुक के लिए बेस्ट होती है। इसके साथ आपको लाइट मेकअप लुक क्रिएट करना है, ताकि आपके होंठ अच्छे लगे। इस तरह की लिपस्टिक में भी आपको लिक्विड और मैट दोनों मिल जाएगी। जिसे आप अपने होंठों के हिसाब से खरीद सकती हैं।

कार्नर न्यूज

रूखे, उलझे और बेजान बालों की सही देखभाल बेहद जरूरी

कंडीशनिंग एक प्रक्रिया है जो आपके बालों में नमी बनाए रखने में मदद करती है। ये बालों को मुलायम, चिकना और उलझकर टूटने से भी बचाती है। हालांकि, बालों में केमिकल युक्त कंडीशनर के इस्तेमाल से लंबे वक्त में वह खराब हो सकते हैं। केमिकल युक्त हेयर कंडीशनर कई बार बालों की सेहत पर भी खराब असर डालते हैं। इसीलिए आपको होममेड नेचुरल हेयर कंडीशनर के बारे में जरूर जानना चाहिए। इन्हें आप घर पर ही बनाकर आसानी से इस्तेमाल कर सकते हैं।

होममेड नेचुरल हेयर कंडीशनर आपके बेजान बालों को दे सकते हैं नई जिंदगी

विनेगर और अंडे का कंडीशनर

एक अंडे की सफेदी,टेबलस्पून ऑलिव ऑयल ,एक टेबलस्पून शहद, दो टेबलस्पून नींबू का जूस और एक टेबल स्पून विनेगर को किसी कटोरी में एक साथ मिलाकर गाढ़ा पेस्ट बना लें। पहले बालों को शैंपू करके धो डालें। किसी कटोरी में पेस्ट लेकर चार अंगुलियों से उठा लें। थोड़े से पेस्ट को गीले बालों की जड़ों से बाहर की तरफ लगाएं। सिर को जोर से न रगड़ें वरना बाल टूट सकते हैं। करीब 10-15 मिनट पेस्ट को बालों में लगा रहने दें। इसके बाद पानी से सिर को धो डालें। अगर आवश्यकता हो तो शैंपू से भी धो सकते हैं।

केले का हेयर मास्क

आधा पका हुआ केला, तीन टेबलस्पून शहद, तीन टेबलस्पून दूध,तीन टेबलस्पून ऑलिव ऑयल और एक अंडे की सफेदी को किसी कटोरी में एक साथ मिलाकर गाढ़ा पेस्ट बना लें। पहले बालों को शैंपू करके धो डालें। किसी कटोरी में पेस्ट लेकर चार अंगुलियों से उठा लें। थोड़े से पेस्ट को गीले बालों की जड़ों से बाहर की तरफ लगाएं। सिर को जोर से न रगड़ें वरना बाल टूट सकते हैं। करीब 15-30 मिनट पेस्ट को बालों में लगा रहने दें। इसके बाद पानी से सिर को धो डालें। अगर आवश्यकता हो तो शैंपू से भी धो सकते हैं।

नारियल तेल और शहद कंडीशनर

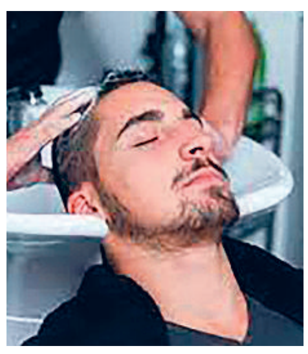

एक टेबलस्पून नारियल तेल, एक टेबलस्पून शहद, एक टेबलस्पून नींबू का जूस, दो टेबलस्पून दही और टी स्पून गुलाब जल को किसी कटोरी में एक साथ मिलाकर गाढ़ा पेस्ट बना लें। पहले बालों को शैंपू करके धो डालें। किसी कटोरी में पेस्ट लेकर चार अंगुलियों से उठा लें। थोड़े से पेस्ट को गीले बालों की जड़ों से बाहर की तरफ लगाएं। सिर को जोर से न रगड़ें वरना बाल टूट सकते हैं।